राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 197 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,06 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

भारत बायोटेक और सीरम में हो गई सुलह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में एक साथ दो-दो वैक्सीन को मंजूरी दी गई। एक कोविशील्ड और दूसरी केवैक्सीन। देश के लिए तो यह खुशखबरी थी, लेकिन पहले इसपर राजनीति हुई। बाद में दोनों कंपनियों ने भी एक-दूसरे पर आरोप-पत्यारोप लगाए। भारत बायोटेक की वैक्सीन कोवैक्सीन को सीरम कंपनी के अदार पूनावाला द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से पानी तक करार दे दिया गया। इसपर बायोटेक ने भी पटलवार किया।

रॉबर्ट वाड्रा के घर पहुंचे आयकर विभाग के अधिकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दूसरे दिन कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति के घर आयकर विभाग की टीम पहुंची है। बेनामी संपत्ति मामले में उनसे लगातार दूसरे दिन पूछताछ की जाएगा। वाड्रा के बयान विभागीय अधिकारियों द्वारा रिकॉर्ड किए गए थे। कुछ महीने पहले रॉबर्ट वाड्रा को लगातार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के ऑफिस बुलाया जा रहा था। उस दौरान ईडी ने दिल्ली उच्च न्यायालय से यहां तक कहा था कि रॉबर्ट वाड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की आवश्यकता है। जांच एजेंसी ने दलील दी थी कि धन के लेन-देन की कड़ियों से कथित रूप से उनका सीधा संबंध है।

सड़क दुर्घटना में चार की मौत

हाथरस, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मथुरा-बरेली राजमार्ग पर एक अनियंत्रित ट्रक एक जीप को रौंदता हुआ उस पर ही पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गये। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के अलवर से नौ लोग जीप में सवार होकर गंगा स्नान के लिए उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में स्थित सोरों जा रहे थे। सोमवार रात करीब 10 बजे सिकंदराराऊ से निकलकर नगला जलाल गांव के पास स्थित बिजली घर के पास सामने से आ रहा एक अनियंत्रित ट्रक जीप से टकरा कर उसके ऊपर पलट गया।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू चेन्नई में द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज में एक प्रदर्शनी का दौरा करते हुए।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से राहत नहीं

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली-एनसीआर में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश जारी है। जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी का असर दिल्ली में भी देखा जा रहा है। दिल्ली में 6 जनवरी की दोपहर से मौसम साफ होने की उम्मीद है, लेकिन ठंड से राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 7 जनवरी से दिल्ली में शीतलहर का दूसरा दौर शुरू हो सकता है। दिल्ली में शनिवार को ही बारिश की शुरूआत हो गई थी और रविवार को सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। सोमवार को भी बारिश हुई और मंगलवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहा। रात का तापमान 11 से 12 डिग्री पर रहा जो औसत से 5 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 6 जनवरी की सुबह तक दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। हालांकि सुबह या दोपहर के बाद दिल्ली का मौसम साफ हो जाएगा। दिल्ली वालों को शीतलहर के अगले दौर का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस को इसकी वजह बता रहे हैं और अनुमान है कि अगले शीतलहर का दौर एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस लेकर आएगा। साल 2021 में जनवरी के पहले 4 दिनों में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। इन चार दिनों में 39.8 मिलीमीटर बारिश हुई, जो पिछले दो दशक में सबसे ज्यादा है। इससे पहले साल 2019 में 37.8 और साल 2020 में 34.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी। आने वाले दो दिनों और ज्यादा बारिश होने की संभावना है। जनवरी महीने में औसत 19.3 मिलीमीटर बारिश का रिकॉर्ड सिर्फ एक दिन में 3 जनवरी को पार कर गया। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भी बारिश के साथ ओले पड़ सकते हैं। हालांकि मंगलवार को कई इलाकों में आसमान साफ रहने का अनुमान है तो कई इलाकों में घना कोहरा भी बना रह सकता है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, मंगलवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रहेगा। दिल्ली एनसीआर में शुरू हुई बारिश के बाद से दिल्ली में ठंड से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली है लेकिन सर्द हवाएं दिल्ली में जारी रहेंगी। वहीं 6 तारीख के बाद पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी रुकेगी, जिससे न्यूनतम तापमान में एक बार फिर गिरावट दर्ज की जाएगी और मैदानी इलाकों में एक बार फिर ठंड अपना प्रकोप दिखाएगी। इस कारण से न्यूनतम व अधिकतम तापमान में सामान्य से तीन-चार डिग्री बढ़ोतरी देखने को मिली। सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 11.4 डिग्री और अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 22.6 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान बीते 22 दिन में सबसे अधिक रहा। दोपहर बाद मौसम ने फिर करवट ली और शाम होते-होते रुक-रुक बारिश हुई।

13 को भारत में लगाया जा सकता है कोरोना वायरस का पहला टीका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को कहा कि भारत में कोरोना वायरस की पहली वैक्सीन 13 जनवरी को दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी यूज ऑथोराइजेशन जिस दिन हुआ है उसके 10 दिन के भीतर टीकाकरण शुरू होने की पूरी तैयारी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के लिए सेशन बांटने की पूरी प्रकिया इलेक्ट्रॉनिकली होगी। लाभार्थी को वैक्सीनेशन हुआ ये डिजिटली रिकॉर्ड किया जाएगा और उसे अगला डोज लेने कब आना है इसकी जानकारी भी उसे डिजिटली मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लेने के बाद अगर उसका कोई बुरा प्रभाव होता है तो उसकी रियल टाइम रिपोर्टिंग के लिए कोविन वैक्सीन डिलीवरी मैनेजमेंट सिस्टम में प्रावधान किया गया है।

मुख्य सचिव ने कहा कि कोविन प्लेटफॉर्म हमने भारत में बनाया है, लेकिन ये विश्व के लिए है, जो भी देश इसका इस्तेमाल करना चाहेंगे भारत सरकार इसमें उनकी मदद करेगी। भूषण ने कहा कि हेल्थ वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को कोविन प्लेटफॉर्म (वैक्सीनेशन के लिए) पर अपना पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी, उनका डाटा पहले ही रिकॉर्ड किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि करनाल, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में स्थित जीएमएसडी नामक 4 प्राथमिक वैक्सीन स्टोर हैं और देश में 37 वैक्सीन स्टोर हैं। वे टीकों को थोक में संग्रहीत करते हैं और आगे वितरित करते हैं। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि स्टोर किए गए टीकों की संख्या और तापमान ट्रैकर सहित सुविधा की डिजिटल निगरानी की जाती है। हमारे पास देश में एक दशक से अधिक समय से यह सुविधा है।

भारत की कोविड वैक्सीन विज्ञान की लम्बी छलांग : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम.वेंकैया नायडू ने दो कोविड वैक्सीनों के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिलने की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे मानवता बड़े पैमाने पर लाभान्वित होगी। आज सोशल मीडिया पर लिखते हुए उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि आत्मनिर्भर भारत न केवल भारतीयों को बल्कि बड़े पैमाने पर मानवता को भी लाभ पहुंचा सकता है। पिछले वर्ष कोविड-19 की रोकथाम में देश द्वारा दर्शाए गए राष्ट्रीय संकल्प की सराहना करते हुए नायडू ने इस वर्ष के दौरान भी लोगों तक वैक्सीन पहुंचाने के लिए इसी भावना से काम करने का आह्वान किया। नायडू ने कहा कि भारत इस बहुत जरूरत वाली वैक्सीन का बड़ी मात्रा में उत्पादन करने की अपनी योग्यता और क्षमता का प्रदर्शन करते हुए इस घातक बीमारी से मानवता की रक्षा करने में सबसे आगे रहा है। भारत की स्वदेशी वैक्सीन (कोवैक्सीन) में पूरे वायरस की पहुंच पर आधारित कुछ अनूठी

विशेषताएं हैं। यह एक सराहनीय उपलब्धि है और दूरदर्शी मजबूत तथा उत्साही प्रयासों के लिए सभी संबंधित व्यक्ति बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की प्रतीक्षा की जा रही थी, क्योंकि सुरक्षा और संरक्षापूर्ण जीवन में लौटने का यही एकमात्र हथियार है। उन्होंने विज्ञान की विजय के रूप में ऐसी वैक्सीनों के साथ आगे आने के उत्साही वैज्ञानिक प्रयासों की सफलता की भी सराहना की।

नायडू ने कहा कि इस सफलता के समारोह की तब तक प्रतीक्षा कर सकते हैं, जब तक हर जरूरतमंद को वैक्सीन उपलब्ध न हो जाए, लेकिन इस आशावादी क्षण पर खुशी जाहिर करना उचित ही है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन उपलब्ध कराने की दिशा में भारत के उत्साही प्रयासों ने पूरे विश्व के लोगों को स्पेनिश फ्लू के प्रकोप के बाद पिछले 100 वर्षों की सबसे खतरनाक स्वास्थ्य चुनौतियों के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में भारत के नेतृत्व की भूमिका से वैक्सीन उपलब्ध कराने की उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन का विकास और इसकी व्यवस्था के लिए प्रोटोकॉल के कड़े शासन द्वारा दिशा-निर्देश दिए गए हैं और बिना किसी समझौते के अटेंडेंट डेटा की सख्त निगरानी भी की जानी है। उपराष्ट्रपति ने कल कोविशिल्ड और कोवैक्सीन नामक दो वैक्सीनों को मंजूरी देने से पहले राष्ट्र की उचित कर्मठता के बारे में नियामक के आश्वासन का उल्लेख किया।

गैस इकॉनोमी खड़ा करना आज की जरूरत : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि गैस इकॉनोमी खड़ा करना आज की जरूरत है। यह बात पीएम मोदी ने कोच्चि-मंगलुरु प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का उद्घाटन करते हुए कही। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसमें कर्नाटक, केरल के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। इस पूरी पाइपलाइन की लंबाई करीब 450 किमी. है, जिससे कई जिलों को सीधे लाभ मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां अपने संबोधन में कहा कि केरल-कर्नाटक के लोगों के लिए आज का दिन काफी अहम है। इस पाइपलाइन के जरिए दोनों राज्यों की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। ये इस बात का उदाहरण है कि विकास को प्राथमिकता देते हुए सभी मिलकर काम करें, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं होगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में वन नेशन-वन गैस ग्रिड पर काम हो रहा है, गैस इकॉनोमी खड़ा करना आज की जरूरत है। आज जिस पाइपलाइन की शुरूआत हो रही है, उससे दोनों राज्यों के लोगों की ईज ऑफ लिविंग को बढ़िया करेगी, साथ ही उद्योगों के खर्च में कटौती लाएगी। पीएम मोदी बोले कि उज्ज्वला योजना जैसी स्कीम से देश में 8 करोड़ परिवारों तक गैस कनेक्शन पहुंचा। कोरोना काल में देश में रसोई गैस की किल्लत कभी नहीं हुई, हमने करीब 12 करोड़ मुफ्त सिलेंडर उपलब्ध कराए।

पीएम मोदी ने कहा कि पाइपलाइन के निर्माण के दौरान 12 लाख मानवीय घंटे का रोजगार बना। पाइपलाइन बनने के बाद भी अब रोजगार के क्षेत्र में फायदा मिलेगा। भारत क्लाइमेट चेंज को लेकर सबसे बेहतर काम कर रहा है, दुनिया ने भी इस बात को माना है। आज हिंदुस्तान डिजिटल, गैस, हाइवे, आईवे कनेक्टविटी पर जोर दिया जा रहा है। पीएम मोदी बोले कि पहली अंतरराज्यीय पाइपलाइन 1987 में कमीशन हुई थी, 2014 तक देश में 15 हजार किमी. नैचुरल पाइपलाइन बनी।

केरल में आपदा घोषित, हिमाचल, राजस्थान व मध्यप्रदेश में अलर्ट जारी

भोपाल । कोरोना वायरस के साथ अब एक और वायरस के संक्रमण का प्रकोप देश में देखा जा रहा है। राजस्थान, केरल समेत कई और राज्यों को एवियंस इंफ्लूएंजा ने अपने चंगुल में ले लिया है। इस संक्रमण के कारण अब तक कई पक्षियों की मौत हो चुकी है। हिमाचल के कई हिस्सों में इस संक्रमण के कारण प्रवासी पक्षियों के मरने की पुष्टि की गई है।

केरल के अलाप्पुझा जिले के कुट्टानाड इलाका स्थित चार पंचायतों नेडुमुडी, थाकाझी, पल्लीप्पड और कारुवत्ता में बर्ड फ्लू के मामले पाए गए हैं। राज्य की पिनाराई विजयन सरकार ने मंगलवार को राज्य में आपदा घोषित कर दिया। अलाप्पुझा जिला कलेक्टर ने इलाके में मीट, अंडे और पालतू पक्षियों के व्यापार, कारोबार और इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

400 से अधिक कौव्वों की मौत

मध्यप्रदेश के एनिमल हस्बेंड्री डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉक्टर आरके रोकडे ने मंगलवार को बताया, राज्य के 7-8 जिलों में वायरस संक्रमण के कारण अब तक करीब 400 कौव्वों की मौत हो चुकी है। पोल्ट्री में वायरस नहीं पाया गया है, यह हवा में है और इसके लिए वैक्सीन नहीं है। हमें लगता है कि यह राजस्थान से आया है। हिमाचल के कांगड़ा जिले में पोंग डैम झील में बर्ड फ्लू के कारण 2000 से अधिक प्रवासी पक्षियों की मौत हो गई। इन पक्षियों में एवियन इंफ्लूएंजा यानी कि बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है।

राज्य सरकारों ने किया अलर्ट

राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और केरल में बर्ड फ्लू के प्रकोप के मद्देनजर राज्य सरकारों ने अलर्ट जारी कर दिया है। इन राज्यों में अब तक बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत हो चुकी है। वहीं बर्ड फ्लू के कारण बिहार, झारखंड, उत्तराखंड और कर्नाटक में भी सतर्कता बरती जा रही है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि एवियन इंफ्लूएंजा वायरस का संक्रमण केवल पक्षियों नहीं बलकि इंसानों के लिए भी घातक है।

पंजाब में अलर्ट जारी- बर्ड फ्लू को लेकर पंजाब में अलर्ट जारी किया गया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि राज्य सरकार की ओर से और भी दिशानिर्देश जारी किए जा सकते हैं। राज्य भर के पोल्ट्री फार्मों में मंदी का अंदेशा मंडराने लगा है। हरियाणा के पंचकूला के करीब पोल्ट्री उद्योग में पिछले एक महीने में 70 हजार मुर्गियों की मौत हो गई। इसके पीछे भी बर्ड फ्लू का अंदेशा जताया जा रहा है हालांकि जांच के लिए सैंपल भेज दिया गया है।

देश के अलग-अलग राज्यों में मरे पक्षियों में ॥5ह्8 और ॥5ह्1 वायरस मिले हैं। कुछ जगहों पर कौव्वों में ॥5ह्8 वाले वायरस मिले हैं। ये वायरस काफी संक्रामक होते हैं। आमतौर पर यह वायरस पक्षियों में ही पाया जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मनुष्यों में ॥5ह्ढ्ढ वायरस का संक्रमण काफी खतरनाक होता है। यदि ॥5ह्ढ्ढ वायरस म्यूटेट हो जाए तो इससे इंसानों से इंसानों में आसानी से ट्रांसमिशन हो सकता है।

श्मशान घाट पर मौतों के जिम्मेदार ठेकेदार को महिला ने चप्पल से मारा

गाजियाबाद । मुरादनगर में श्मशान घाट पर हुए हादसे के गुनहगार ठेकेदार अजीत त्यागी को एक महिला ने चप्पल से मारा। महिला ने ठेकेदार को उस समय चप्पल से मारा जब वो अस्पताल से मेडिकल कराकर वहां से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान महिला ने चप्पल निकालकर ठेकेदार अजीत त्यागी के सिर पर मार दिया, चप्पल लगने से ठेकेदार थोड़ी देर के लिए सकपका गया। उसके बाद मेडिकल कराने के लिए अजीत के साथ चल रही पुलिस की टीम ने महिला को हिरासत में ले लिया। महिला के नाम पूनम बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है।

मुरादनगर हादसे के मुख्य आरोपी ठेकेदार अजय त्यागी को पुलिस द्वारा गाजियाबाद के जिला एमएमजी अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए लाया गया तो वहां पर पहले से भर्ती किशन पाल की पत्नी पूनम ने आरोपी ठेकेदार की चप्पल से पिटाई कर दी।

जैसे ही किशन पाल की पत्नी पूनम को पता चला इस हादसे के मुख्य आरोपी अजय त्यागी को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लाया जा रहा है तो वह बाहर निकली और उस पर पीछे से चप्पल मार दी। इसके बाद पुलिस ने पूनम को धक्का देकर पीछे कर दिया और अजय त्यागी को बचाकर वहां से सीधे कोर्ट ले गए। बता दें कि पूनम के पिता जय राम की अंत्येष्टि में शामिल होने आए 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 40 घायलों का उपचार चल रहा है ।

श्मशान घाट पर छत गिरने की घटना के लिए ठेकेदार अजीत त्यागी को जिम्मेदार माना जा रहा था। उसी की फर्म ने यहां पर ये काम किया था। पुलिस टीम ने इसके आरोपी तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। ठेकेदार अजीत त्यागी फरार चल रहा था। प्रशासन की ओर से अजीत त्यागी पर 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया था। उसके बाद कई टीमें अजीत को पकड़ने के लिए लग गई थी।

मंगलवार की सुबह अजीत को गिरफ्तार करने की बात बताई गई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस दोपहर में अजीत को मेडिकल कराने के लिए अस्पताल लेकर गई थी। पुलिस टीम उसके साथ ही चल रही थी।

जब अजीत मेडिकल कराकर अस्पताल से बाहर निकल रहा था, उस दौरान भी उसके पीछे पुलिस के जवान साथ चल रहे थे। इलेक्ट्रानिक चैनल के कुछ पत्रकार अजीत से बाइट लेने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान पीछे से एक महिला ने अजीत के सिर पर चप्पल दे मारी, तब तक पुलिस के जवानों ने उसे पकड़ लिया।

अमेरिका प्रत्यर्पित नहीं किए जाएंगे जूलियन असांजे : ब्रिटिश कोर्ट

वाशिंगटन, (एजेंसी)। विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन की एक अदालत ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अमेरिका के गोपनीय दस्तावेजों और कूटनीतिक संदेशों को सार्वजनिक करने के ओप में अमेरिका असांजे के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था, जिसके खिलाफ सुनवाई चल रही थी। असांजे को इससे पहले स्वीडन में दुष्कर्म के मामले में भी राहत मिल चुकी है। इस मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए असांजे ने कई साल ब्रिटेन स्थित इक्वेडोर के दूतावास में बिताए।

सेंट्रल लंदन की डिस्ट्रिक्ट ओल्ड बैले कोर्ट की जज वैनिसा बैरियेस्टर ने यह बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाया। जज ने कहा कि आशंका है कि जूलियन असांजे आत्महत्या जैसे खतरनाक कदम उठा सकते हैं और प्रत्यर्पण का आदेश उनके मानसिक उत्पीड़न जैसा होगा। महिला जज ने कहा, अगर असांजे को अमेरिका में हिरासत में लिया जाता है, तो उन्हें बंदी के रूप में बेहद कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ सकता है, उसके सामाजिक संपर्क खत्म हो जाएंगे और बाहर किसी से भी संपर्क करना उसके लिए मुश्किल होगा। गहरे डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करने के खतरे की दलील को उन्होंने सही माना।

प्रत्यर्पण की याचिका खारिज हो जाने के बाद असांजे की ओर से जमानत की अपील दायर की जा सकती है। अदालती फैसले के बाद 49 वर्षीय असांजे माथे से पसीना पोंछते नजर आए। जबकि उनकी प्रेमिका स्टेला मॉरिस रो पड़ीं। विकीलीक्स की एडिटर इन चीफ क्रिस्टीन राफेन्सन ने गले लगाकर उन्हें संभाला। कोर्ट के बाहर जमा असांजे के समर्थक भी फैसला सुनकर झूम उठे। हालांकि अमेरिकी और ब्रिटिश सरकारें निचली अदालत के इस निर्णय के खिलाफ अपील कर सकती हैं।

यह मामला लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियों में रहा है। अमेरिकी सरकार खुफिया दस्तावेजों की जासूसी के आरोप में असांजे का प्रत्यर्पण चाहती थी। इस मामले में उन्हें मौत की सजा तक हो सकती थी। गौरतलब है कि अमेरिकी सरकार औ दूतावासों के बीच खुफिया संदेशों के लीक होने से दुनिया भर में भूचाल आ गया था। साथ ही अमेरिकी सरकार की किरकिरी भी हुई थी, जिस पर मित्र देशों के नेताओं की भी जासूसी कराने का आरोप लगा।

असांजे को 2010 में रेप के मामले में स्वीडन के अनुरोध पर लंदन में गिरफ्तार किया गया था। स्वीडन सरकार दो महिलाओं ने बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर असांजे से पूछताछ करना चाहती थी। हालांकि स्वीडन प्रत्यर्पित किए जाने से बचने के लिए असांजे 2012 में लंदन में इक्वेडोर के दूतावास में शरण ली थी। अप्रैल 2019 में दूतावास से बाहर आने पर ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें जमानत लेकर भागने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

तुर्की में राष्ट्रपति अर्दोआन द्वारा हागिया सोफिया को वापिस मस्जिद में तब्दील करने के फैसले को लेकर कई जगह विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इंस्तांबुल में प्रदर्शनकारियो को आगे बढ़ने से रोकती स्थानीय पुलिस।

एथेंस में राष्ट्रव्यापी कोरोना टीकाकरण शुरू हो गया है। एस बुजुर्ग महिला को वैक्सीन लगाते स्वास्थकर्मी।

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतों के आ रहे खतरों के प्रति चेताया

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने देश में लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतो को लेकर ताजा विवदों को लेकर उसके खतरों के प्रति चेतावनी दी है। उनकी इस टिप्पणी से एक दिन पहले एक ऐसा लीक ऑडियो सामने आया था, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जॉर्जिया के शीर्ष निर्वाचन अधिकारी की बातचीत है। इसमें ट्रंप ने तीन नवम्बर को हुए चुनाव में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत का फैसला बदलने और उनकी जीत के लिए चुनाव प्रमुख से 11,000 से ज्यादा वोट तलाश करने की अपील की थी। ओबामा की यह टिप्पणी जॉर्जिया में महत्वपूर्ण सीनेट चुनाव की पूर्व संध्या पर आई है। यहां सीनेट के लिए दो सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। सोमवार को ओबामा ने बिना किसी का नाम लिए कई ट्वीट किए। उन्होंने कहा, जॉर्जिया में कल चुनाव का दिन है और इससे ज्यादा कुछ दांव पर नहीं लग सकता है। हम यह देख रहे हैं कि कुछ लोग सत्ता में रहने के लिए लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतों को खतरे में डालने के लिए कहां तक जा सकते हैं। लेकिन हमारा लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं है, चाहे वह राष्ट्रपति ही क्यों न हो-हमारा लोकतंत्र आपसे (जनता) है।

अमेरिका में भले ही इलेक्टॉरल कॉलेज ने बाइडन को विजेता घोषित किया हो लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक हार नहीं स्वीकार की है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि ट्रंप ने शनिवार को जॉर्जिया के राज्य सचिव एवं रिपब्लिकन ब्रैड राफेनसपर्गर को फोन किया था और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत का फैसला बदलने और उनकी जीत के लिए वोट तलाश करने की अपील की थी। इस कदम को कानूनविदों ने सत्ता के खुले दुरुपयोग और संभावित आपराधिक कृत्य बताया है। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। मंगलवार को सीनेट के लिए मतदान के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि बाइडन के सत्ता में आने के बाद सीनेट पर किसका नियंत्रण होगा। 100 सदस्यों वाले सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के पास 50 सीटें और डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 48 सीटे हैं। अगर डेमोक्रेट्स सीनेट की दोनों सीटों पर जीत हासिल करते हैं तो कमला हैरिस उप राष्ट्रपति और सीनेट के अध्यक्ष के तौर पर बराबर संख्या होने की स्थिति में डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट कर सकती हैं। लेकिन अगर रिपब्लिकन एक भी सीट जीत जाते हैं तो उन्हें सीनेट में बहुमत मिल जाएगा, जिसका मतलब है कि बाइडन प्रशासन को प्रमुख नामांकनों और शीर्ष विदेश नीतियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के फैसलों में सीनेट की मंजूरी मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

लाहौर हाईकोर्ट ने टू-फिंगर टेस्ट को अवैध घोषित किया

करांची, (एजेंसी)। रेप और यौन शोषण के मामलों में अब तक किए जाने वाले टू-फिंगर टेस्ट को आखिरकार पाकिस्तान की एक अदालत ने अवैध और असंवैधानिक करार दिया है। लाहौर हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस आयशा मलिक ने यह फैसला सुनाया है। सामाजिक आंदोलनों के जरिए लंबे समय से इस रुढ़िवादी प्रथा का विरोध किया जा रहा था और पिछले साल मार्च में इसके खिलाफ एक याचिका दाखिल की गई थी। टू-फिंगर टेस्ट में महिला के प्राइवेट पार्ट के साइज और इलास्टिसिटी का अंदाजा लगाया जाता है। इसके आधार पर डॉक्टर रेप पीड़िता की सेक्शुअल हिस्ट्री का पता लगाता है। अगर महिला अविवाहित है, किन सेक्शुअली एक्टिव है, इसे नैतिक रूप से गलत माना जाता है। टू-फिंगर टेस्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा वर्जिनिटी टेस्ट की कोई वैज्ञानिक या मेडिकल जरूरत नहीं होती है, लेकिन यौन हिंसा के मामलों में मेडिकल प्रोटोकॉल के नाम पर इसे किया जाता रहा है। यह शर्मिंदा करने वाला काम है जिसे पीड़ित पर आरोप लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, बजाय आरोपी पर ध्यान देने के। वर्जिनिटी टेस्ट को भारत और बांग्लादेश समेत दुनिया के कई देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया है, लेकिन पाकिस्तान में यह जारी रहा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक यह टेस्ट अपने-आप में अनैतिक है।

अपने हितों की रक्षा के लिए गूगल कर्मचारियों ने गुपचुप गठित की यूनियन

लंदन, (एजेंसी)। दुनिया की दिग्गज आईटी कंपनियों में शामिल गूगल अपनी कर्मचारी फ्रेंडली पॉलिसी और बेहतरीन सुविधाओं के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां भी कर्मचारियों ने गुपचुप अपना एक कर्मचारी यूनियन बना ली है। यह यूनियन कर्मचारियों की बेहतरी के लिए काम करेगी। यूनियन का नाम अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि टेक कंपनियां आम तौर पर कर्मचारी यूनियन बनाने की अनुमति नहीं देतीं। टेक कंपनियों में वेतन संबंधी असंतोष भी देखने में नहीं आता, लेकिन वैचारिक मतभेदों की वजह से कई बार कर्मचारियों को राजनीति का शिकार होना पड़ता है और यौन उत्पीड़न भी एक ऐसा मुद्दा है, जिसकी वजह से कर्मचारी यूनियन का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका की श्रम नियामक संस्था ने भी पिछले दिनों गूगल पर अपने कर्मचारियों के साथ गैर-पेशेवर व्यवहार करने का आरोप लगाया था।

गूगल कर्मचारी यूनियन कर्मचारियों के वेतन, नौकरी की सुविधाओं, काम के बेहतर माहौल के लिए काम करेगा। यूनियन में अबतक 225 से ज्यादा कर्मचारी शामिल हो चुके हैं। अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में ऐसा पहली बार हुआ है, जब श्रमिकों ने संगठन बनाया है। कंपनियां अपने यहां यूनियन बनने की इजाजत नहीं देतीं। इसलिए गूगल के कर्मचारियों ने अपनी यूनियन बेहद गुप्त रूप से बनाई है। दिसंबर में इसके पदाधिकारियों का चुनाव किया गया और इस यूनियन का नाम अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन रखा गया।

यूनियन के नेता ने सोमवार को यूनियन को लेकर अपनी बात रखी है। यूनियन के नेता ने कहा कि अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उसके सदस्य सही वेतन पाएं, इनका शोषण न हो, उनके साथ किसी तरह का भेदभाव न हो। सभी कर्मचारी बिना डरे काम करें। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही अमेरिका की श्रम नियामक संस्था ने गूगल पर आरोप लगाया है कि वह कर्मचारियों से गैरकानूनी तरीके से पूछताछ कर रहा है। इनमें से कई लोगों ने कंपनी की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया था और एक संगठन बनाने की कोशिश की थी। इसके बाद इन्हें नौकरी से निकाल दिया गया था।

इन आरोपों के जवाब में गूगल का कहना है कि उसे यकीन है कि उसकी ओर से उठाए गए सभी कदम वैध हैं। उसने किसी तरह से भी कानून का उल्लंघन नहीं किया है। गूगल की पीपुल्स ऑपरेशन की डायरेक्टर कारा स्लवरस्टीन ने कहा कि कंपनी ने हमेशा कर्मचारियों के लिए सहयोगपूर्ण और कमाई देने वाला माहौल बनाने की कोशिश की है। कर्मचारी श्रम कानूनों के तहत आते हैं, हम आगे भी अपने सभी कर्मचारियों के साथ सीधे संपर्क में रहेंगे और संवाद करते रहेंगे। गूगल में हालांकि वेतन उतना बड़ा मुद्दा नहीं है, क्योंकि यहां पर सैलरी काफी अच्छी मिलती है। लेकिन कर्मचारियों को राजनीति और वैचारिक मतभेद को लेकर कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां यौन शोषण और भेदभाव का भी माहौल रहता है।

काम करने की जगह नतीजे बदलने के प्रयास कर रहे ट्रंप : बाइडन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले वर्ष हुए चुनाव के नतीजे बदलने के प्रयास कर रहे डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधकर कहा कि निवर्तमान राष्ट्रपति अपना काम करने की जगह अधिकतर समय शिकायत करने में लगा रहे हैं। दरअसल ट्रंप ने अभी तक राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की है, चुनाव के नतीजों के खिलाफ कई संघीय मुकदमे उन्होंने दायर कर रखे हैं। उनका दावा है कि चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गई है। चुनाव अधिकारी और मीडिया उनके दावों को निराधार बता रहे है। ट्रंप कई मुकदमे हार भी चुके हैं।

बाइडन ने कहा, राष्ट्रपति समस्याओं के बारे में कुछ करने की बजाय अधिकतर समय शिकायतें करने में लगा रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता कि वह अब भी पद पर बने क्यों रहना चाहते हैं, जबकि उन्हें काम ही नहीं करना है। बाइडन, जॉर्जिया में दो डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे थे। इन चुनाव के बाद ही स्पष्ट होगा कि यहां सीनेट पर किस पार्टी का कब्जा होगा। प्रथम चुनाव में किसी उम्मीदवार के जीत हासिल ना करने पर दूसरे रन ऑफ चुनाव कराए जाते हैं। इलेक्टोरल कॉलेज ने दिसम्बर में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए बाइडन को सभी 50 राज्यों में आधिकारिक तौर पर विजेता घोषित कर दिया था।

ईरान ने शुरू किया यूरेनियम का संवर्धन

तेहरान, (एजेंसी)। अमेरिका से तनाव के बीच ईरान ने एक भूमिगत इकाई में 20 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन शुरू कर दिया है। यह जानकारी ईरान सरकार के एक प्रवक्ता ने दी। 20 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन 90 प्रतिशत के हथियार-ग्रेड के स्तर से अलग एक तकनीकी कदम है। एक दशक पहले ईरान के 20 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन के फैसले से उसका इजराइल के साथ तनाव हो गया था। यह तनाव 2015 में परमाणु समझौते के बाद ही कम हुआ था। 20 प्रतिशत संवर्धन की फिर से शुरूआत के कारण फिर से अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अली रबिई के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति हसन रूहानी ने फोर्डो इकाई में इस कदम के लिए आदेश दिए हैं। दरअसल, इस समझौते के तहत ईरान सिर्फ 4प्रतिशत संवर्धन कर सकता है। इतनी शुद्धता के यूरेनियम का इस्तेमाल बिजली निर्माण के लिए किया जाता है जबकि परमाणु हथियारों के लिए 90प्रतिशत शुद्धत का यूरेनियम चाहिए होता है। ईरान के कट्टर धार्मिक नेता इजरायल पर गलत तरीके से मुस्लिम जमीन पर कब्जा करने के आरोप लगाते रहे हैं जिसके कारण इजरायल भी ईरान को अपने लिए संकट मानता है। उसने हमेशा ईरान के परमाणु हथियारों से लैस होने का विरोध किया है जबकि ईरान इन आरोपों का खंडन करता रहा है। हालांकि, नवंबर 2020 में उसके चीफ न्यूक्लियर साइंटिस्ट मोहसिन फखरीजादेह की हत्या के बाद फैसला किया गया था कि यूरेनियम की शुद्धता बढ़ाई जाएगी जिससे इजरायल और अमेरिका के चौकन्ने हो गए। यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2018 में तेहरान के साथ परमाणु समझौते से अमेरिका को एकतरफा तौर पर अलग कर लेने के बाद आया है। उसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाने वाली कई घटनाएं हुई हैं।

हाल ही में ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने अपने परमाणु बॉम्बर पारस की खाड़ी में भेजे हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का दावा है कि पिछले 48 घंटे में ईरानी नौसेना और सक्रिय हो गई है। उधर, इजरायली मीडिया ने अमेरिकी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इजरायल और सऊदी अरब ट्रंप को उकसा रहे हैं कि अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले वह ईरान के परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करें। राजनीतिक विश्लेषकों ने यह भी आशंका जताई है कि राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन की जीत से बौखलाए ट्रंप जाते-जाते ईरान के साथ विवाद को और जटिल बनाने की कोशिश कर सकते हैं ताकि आने वाली सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी की जा सकें।

हार्मुज की खाड़ी में अनाधिकृत रुप से घुसे दक्षिण कोरिया के जहाज को पकड़ने की कोशिश में जुटे ईरान के तटरक्षकबल के जवान। बता दें कि ईरान ने दक्षिण कोरिया के जहाजों पर पूरी तरह से पाबंदी लगा रखी है।

अमीर कारोबारियों के लिए चीन में रहना हुआ दूभर, जान बचाएं या संपत्ति!

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन के अमीर कारोबारियों के लिए यहां रहना दूभर होता जा रहा है कियोंकि सरकार के सख्त रवैये के चलते यबा हालात अनके लिए काफी मुश्किल होते जा रहे हैं। हालांकि चीन में उदारीकरण की अपनाई गई नीति का सबसे ज्यादा लाभ बेशक धनी लोगों ने उठाया लेकिन हाल में चीन सरकार ने टेक्नालॉजी और बिजनेस सेक्टर पर ऐसा शिकंजा कसा है कि धनी लोग सरकारी निगरानी में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार झेनजियांग में रहने वाले एक विदेशी ट्रेडिंग फर्म के सीनियर एग्जिक्युटिव केन लिउका कहना है कि चीन में अचानक किसी सेक्टर में नीतियां बदल सकती हैं। कारोबारियों को नई नीतियों के मुताबिक एडजस्ट करना पड़ता है। इस कारण सबको इस बारे में फिर से सोचना पड़ रहा है कि भविष्य में उनके पास कितना धन रह जाएगा और अपनी जायदाद को वे कैसे बचा सकते हैं। जिस तरह निजी उद्यमियों के प्रति सरकार का नजरिया बदल रहा है, उससे उनकी चिंता बढ़ती जा रही है।

हालांकि चीन के रईस ज्यादातर अपना देश छोड़कर कहीं और जा बसना पसंद करते हैं और यह सिलसिला कोई नया भी नहीं है लेकिन 2020 से यहां के बेहद अमीर लोग अब अजीब दुविधा में फंसे हुए हैं। इन अमीरों के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया है कि वे अपनी जान बचाएं या अपना धन और सम्पत्ति को बचाएं। पहले चीन के कई धनी लोग किसी दूसरे देश में निवास का परमिट ले लेते थे। साथ ही वे चीन की नागरिकता बचाए रखते थे। इससे उन्हें अपनी वित्तीय संपत्तियों को बाहर ले जाने और किसी एक अन्य देश में निवास की आश्वस्ति मिल जाती थी, लेकिन कोरोना महामारी ने स्थिति को जटिल बना दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक शेनझन निवासी वेंडी झाओ और उनके पति दो करोड़ युवान यानी लगभग 30 लाख डॉलर या 21,94,27,625 भारतीय रुपए की संपत्ति के मालिक हैं। अभी पति-पत्नी में इस बात पर विवाद चल रहा है कि वे यहीं रहें या न्यूजीलैंड जाकर अपनी जिंदगी को नए सिरे से शुरू करें। वेंडी ने कहा- हमारा आव्रजन आवेदन न्यूजीलैंड में मंजूर हो गया है, लेकिन मैं वहां महामारी को लेकर चिंतित हूं। मेरी राय में चीन ने कोरोना महामारी पर काबू पाने में अच्छी सफलता हासिल की है। फिर चीन अकेला देश है जिसकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है इसलिए मैंने बाहर जाने का इरादा फिलहाल छोड़ दिया है लेकिन मेरे पति सोचते हैं कि हमें संपत्तियों का बाहर ले जाने का काम जल्द से जल्द शुरू कर देना चाहिए। चीन के अमीर लोगों को विदेशों में जाकर बसने में मदद करने वाले एजेंटों का कहना है कि हाल में देश से बाहर जाने के बारे में जानकारी इकट्ठी करने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। बहुत से अमीर चीनी जल्द से जल्द दुनिया के किसी भी दूसरे देश की नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं ताकि वे अपनी जायदाद और नकदी को जल्द वहां भेज सकें। जिन देशों का पहले नाम भी नहीं सुना जाता था, वहां की नागरिकता पाने की कोशिश इन दिनों तेज हो गई है। मोंटेनेगरो, मार्शल आइलैंड्स, सेंट लुसिया आदि जैसे छोटे देश इनमें शामिल हैं। वर्षों से जिन देशों से अति धनी लोग विदेश जाकर बसते हैं, उनमें चीन नंबर वन रहा है। दस लाख अमेरिकी डॉलर से ज्यादा संपत्ति वाले लोगों को अति धनी लोगों में रखा जाता है। हाल में अफ्रो-एशिया बैंक की तरफ से तैयार ग्लोबल वेल्थ माइग्रेशन रिव्यू रिपोर्ट में बताया गया कि 2018 में 15 हजार अति धनी चीनियों ने देश छोड़ दिया। यानी देश की अति धनी लोगों की कुल आबादी का दो फीसदी हिस्सा विदेश जाकर बस गया।

स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र यादव किसान नेताओं के साथ नई दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

कोरोना के नए स्ट्रेन के लिए एलएनजेपी में खास इंतजाम

नई दिल्ली, (संवाददाता)। देश की राजधानी में एक तरफ कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज हो रही है, तो वहीं ब्रिटेन से आए नए कोरोना स्ट्रेन से निपटने के लिए दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में खास इंतजाम किए गए हैं अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक फिलहाल, एलएनजेपी अस्पताल में से दिल्ली पहुंचे 49 संदिग्ध यात्रियों को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अब तक सभी 49 संदिग्ध मरीजों का नए कोरोना स्ट्रेन जानने के लिए सैंपल लिया जा चुका है। इनमें से 8 संदिग्ध की रिपोर्ट आ चुकी है और चार यात्रियों में नए कोरोना स्ट्रेन का पता चला है, जबकि अन्य 4 यात्रियों की कोरोना स्ट्रेन टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई है। बाकी 41 संदिग्ध एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी कोरोना स्ट्रेन टेस्ट रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। से भारत लौटने वाले ये सभी यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद संदिग्ध के तौर पर एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती किए गए थे। नए कोरोना स्ट्रेन मरीजों के इलाज के लिए एलएनजेपीअस्पताल की बिल्डिंग में 40 कमरों का एक खास वार्ड तैयार किया गया है। स्पेशल वार्ड बिल्डिंग एलएनजेपी अस्पताल में कोरोना मरीजों का इलाज कर रही मुख्य बिल्डिंग से बिल्कुल अलग और दूर स्थित है। नए कोरोना स्ट्रेन से संक्रमित मरीजों और संदिग्ध का इलाज करने के लिए एलएनजेपी अस्पताल में 24 घंटे में तीन शिफ्ट में मेडिकल स्टाफ तैनात किया गया है। हर शिफ्ट में 2 डॉक्टर, 1 कंसल्टेंट, 5 नर्स की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा स्पेशल वार्ड बिल्डिंग में 10 हॉउस कीपिंग स्टाफ के अलावा, 10 सुरक्षा गार्ड भी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। नए कोरोना स्ट्रेन के मरीजों और संदिग्ध का इलाज करने वाले मेडिकल स्टाफ के लिए वर्किंग प्रोटोकॉल भी खास है। संक्रमित इलाके में काम करने वाले मेडिकल स्टाफ को 14 दिन की ड्यूटी के बाद 14 दिनों तक क्वारंटाइन किया जाता है। एलएनजेपी अस्पताल प्रशासन द्वारा क्वारंटाइन के लिए मेडिकल स्टाफ के रहने और खाने की व्यवस्था की गई है। एलएनजेपी अस्पताल में नए कोरोना स्ट्रेन के मरीजों और संदिग्ध की स्पेशल वार्ड बिल्डिंग में निगरानी के लिए 30 सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। सीसीटीवी कैमरों से 24 घण्टे मरीजों पर लाइव नजर रखी जाती है। एलएनजेपी अस्पताल प्रशासन के मुताबिक नए कोरोना स्ट्रेन से संक्रमित ज्यादा7 मरीज और संदिग्ध बिना किसी ऑक्सीजन सपोर्ट के स्टेबल हालात में हैं। नए कोरोना स्ट्रेन मरीजों में कोई लक्षण भी नहीं हैं। एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती नए कोरोना स्ट्रेन से संक्रमित मरीजों में एक 7 साल की बच्ची, 2 मरीज 35 साल और एक मरीज की उम्र 47 साल है। इसके अलावा नए कोरोना स्ट्रेन के अन्य 41 संदिग्ध मरीजों की उम्र 25 से 60 साल के बीच बताई जा रही है।

कोरोना काल में खाली पार्क को बना दिया हर्बल गार्डन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया के लिए जहां अस्तित्व का संकट खड़ा किया, वहीं इससे बचने और इस मुसीबत में भी कुछ सकारात्मक पहल करने का अवसर भी दिया। हार्टकेयर फाउंडेशन आफ इंडिया के अध्यक्ष डा. केके अग्रवाल ने इस अवसर को जाने नहीं दिया। मुसीबत के इस वक्त में उन्होंने कोरोना पीड़ितों को आनलाइन चिकित्सीय परामर्श दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों को न सिर्फ योग, व्यायाम व प्रकृति के जरिये स्वस्थ रहने के सूत्र बताए, बल्कि रोजाना थोड़ा-थोड़ा समय निकालकर अपने घर के सामने एक हर्बल व रोज गार्डन भी तैयार कर डाला। डा. अग्रवाल ने इस पार्क में औषधीय गुणों वाले 200 से ज्यादा किस्म की जड़ी-बूटियों के पौधे लगा दिए। सुबह-शाम वे खुद इस गार्डन की देखभाल करते हैं। पार्क का रखरखाव डा केके अग्रवाल रिसर्च फंड की ओर से किया जा रहा है। डा. केके अग्रवाल ने बताया कि कोरोना काल में लोगों ने अपने स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। अपनी इम्युनिटी बढ़ाने, मोटापा कम करने व शुगर आदि की बीमारियों से बचने के लिए लोग भारत में मिलने वाले औषधीय पौधों की ओर आकर्षित हुए। इनके प्रति लोगों में जिज्ञासा बढ़ी, लेकिन शहरों में लोगों ने इनमें से कुछ ही पौधे देखे होंगे। ज्यादातर के बारे में किताबों में ही पढ़ा होगा। इसलिए उन्होंने एशियाड विलेज सोसायटी में अपने घर के सामने खाली पड़े पार्क को हर्बल पार्क बनाने का निर्णय लिया। सालों से खाली पड़े पार्क में केके अग्रवाल ने कुछ ही माह में करीब 200 तरह के औषधीय पौधे लगा दिए हैं। उन्होंने बताया कि पार्क में दो-तीन माडल नर्सरी भी तैयारी की जा रही है। यह एक तरह से गार्डन का शोरूम होगा। इसमें थोड़ी जगह में ही एक जैसे वातावरण में सर्वाइव करने वाले पौधे लगाए जाएंगे। इसके बाद इस पार्क में स्कूली बच्चों को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि वे देश की इस प्राकृतिक संपदा के बारे में विस्तार से जान सकें। जिन पौधों के बारे में उन्होंने सिर्फ किताबों में पढ़ा है उन्हें छूकर देख सकें और उनकी सुगंध को महसूस कर सकें। पौधों के साथ उनकी नेम प्लेट भी लगाई गई है। बच्चे शुरू से ही देश की प्राकृतिक संपदा के प्रति जागरूक होंगे तो वे इनका संरक्षण भी करेंगे। उन्होंने बताया कि लोगों को सभी पौधों के औषधीय गुण व पर्यावरणीय संतुलन में उनका महत्व बताया जाएगा। डा. अग्रवाल ने बताया कि ज्यादातर औषधीय पौधे उत्तराखंड से मंगवाए गए हैं। पार्क के बीच में बड़ा कुंड बनाया गया है, जिसमें छोटी मछलियां भी पाली जा सकेंगी। इसमें जलीय पौधे लगाए जाएंगे।

सिंघु बॉर्डर पर बढ़ रही तंबुओं की संख्या

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कृषि कानूनों के विरोध में सिंघु बार्डर पर किसान 40 दिन से डटे हुए हैं। ज्यादातर किसानों का कहना है कि जब तक तीनों कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया जाता वे यहां से नहीं हटेंगे। किसान नहीं हटने के दावे करने के साथ ही इन दावों को मजबूती देने में भी जुटे हुए नजर आते हैं। आलम यह है कि हर रोज किसानों के तंबुओं की तादाद बढ़ती जा रही है। इतना ही नहीं किसानों की तरफ से कई जगह तो राष्ट्रीय राजमार्ग पर पक्का निर्माण तक कर दिया गया है। राजमार्ग को देखकर लगता है, मानो किसी आवासीय इलाके में आ गए हैं। यहां कोई सीमेंट व ईटों से पक्की दीवारें खड़ी करने में जुटा है, तो कोई पहले से बने शामियानों को मजबूत बना रहा है। कहीं, स्नानागार और शौचालय बनाए जा रहे हैं, तो कहीं लंगर हाल का निर्माण हो रहा है। सोमवार को भी सिंघु बार्डर पर कई जगह बड़े-बड़े लंगर हाल बनाए गए। बीच में बारिश और ठंड की वजह से बिखरा-बिखरा सा लग रहा प्रदर्शन अब फिर से मजबूती पकड़ने लगा है। जिस उत्साह के साथ किसान तैयारियों में जुटे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि वे जल्द मैदान छोड़ने वाले नहीं है। किसानों का आंदोलन कई तरह के विरोधाभास से भरा है, जिसमें सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब भी किसान नेता सरकार के साथ बात करने जाते हैं और उम्मीद जताते हैं कि अब गतिरोध खत्म होगा और बात आगे बढ़ेगी, तो दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पक्के निर्माण, लंगर हाल और प्रदर्शनकारियों के लिए सुविधाओं के इंतजामों का विस्तार होने लगता है। किसान नेता सरकार से बात करने के लिए विज्ञान भवन गए थे, वहीं दूसरी ओर किसानों की ओर से बड़े-बड़े लंगर हाल बनाए जा रहे थे। इसको देखकर आसपास से गुजरने वाले लोगों का यही कहना है कि किसान तो यहां शामियानों में शहर बसाकर ही मानेंगे। सिंघु बार्डर पर सोमवार को किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी को उस समय दौड़ लगानी पड़ी, जब सरकार के साथ आठवें दौर की वार्ता के लिए किसान नेता विज्ञान भवन जा रहे थे। जिस बस में नेता जा रहे थे, चढूनी उस बस में चढ़ते उससे पहले ही बस चल पड़ी। गुरनाम सिंह पहले तो कुछ दूर तक बस के पीछे दौड़े, पर जब बस काफी दूर चली गई, तो उन्हें कार में लिफ्ट लेकर जाना पड़ा।

नई दिल्ली में मंगलवार को उत्तर पश्चिमी जिला के बवाना विधानसभा क्षेत्र और दक्षिणी दिल्ली जिले में दिल्ली भाजपा अनुसुचित जाति मोर्चा द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता को प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष भूपेंद्र गोठवाल संबोधित करते हुए।

सोलर पैनल से बिजली उत्पादन कर आय अर्जित करने में सक्षम है दक्षिणी दिल्ली नगर निगम

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज सिविक सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया जहां दक्षिणी दिल्ली नगर निगम को वित्त वर्ष 19-20 में सोलर पैनल से बिजली उत्पादन करने के लिए बीएसईएस की ओर से 3.71 करोड़ रुपए का चेक प्राप्त हुआ। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम महापौर अनामिका सिंह मीथिलेश, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा, राजन तिवारी, प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम आयुक्त ज्ञानेश भारती, नेता सदन नरेंद्र चावला, स्थाई समिति उपाध्यक्ष तुलसी जोशी, शिक्षा समिति अध्यक्ष मुकेश सूर्यान, सेंट्रल जोन चेयरमैन पूनम भाटी, पार्षद कर्नल ओबरॉय, सुनील सहदेव, रेखा चौहान, वीणा शर्मा, चीफ इंजिनियर आर के शर्मा सहित निगम के पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि लगभग 209 भवनों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य पूरा हो चुका है जिससे बिजली बननी शुरू हो गई है और उसके उपयोग से भारी-भरकम बिजली बिल भी नहीं देना पड़ रहा है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली को बेचकर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने पैसा भी कमाया है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का ऊर्जा मंत्रालय नए-नए तकनीक और खोज को बढ़ावा दे रहे हैं जिससे प्रेरित होकर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि 177 भवनों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य जारी है और कुछ ही दिनों में 200 भवनों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य शुरू होगा, कुल मिलाकर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में 586 ऐसे भवन होंगे जहां सोलर पैनल स्थापित हो जाएंगे। अभी 9.3 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है और सभी भवनों में सोलर पैनल लगने से 20 मेगावट बिजली का उत्पादन होगा, उत्पादित बिजली परिसर के जरूरत को पूरा करेगी और साथ ही अतिरिक्त उत्पादित बिजली को बेचकर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम का राजस्व भी बढ़ेगा। आदेश गुप्ता ने कहा कि ऊर्जा के प्राकृतिक श्रोत के जरिए भी बिजली का उत्पादन हो सकता है और इसी दिशा में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के कच्छ में सोलर पार्क की आधारशिला रखी जो दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड एनर्जी पार्क बनेगा।

हनुमान मंदिर पर सियासत तेज चांदनी चौक में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के चांदनी चौक में चल रहे सौंदर्यीकरण के दौरान तोड़े गए हनुमान मंदिर को लेकर बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। वहीं, कांग्रेस भी इस घमासान में कूद पड़ी है। सियासी बयानबाजी के अलावा आज कुछ हिंदू संगठनों के लोग भी चांदनी चौक पहुंच गए और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दरअसल, चांदनी चौक में सौंदर्यीकरण का काम हो रहा है जिसके लिए वहां मौजूद हनुमान मंदिर को तोड़ दिया गया है। इस मसले पर अब सियासत भी तेज हो रही है। दिल्ली भाजपा ने मांग की है कि दिल्ली सरकार चांदनी चौक के सौंदर्यीकरण की योजना को री-डिजाइन करके वहां हनुमान मंदिर को पुनः स्थापित करने की व्यवस्था करे। वहीं पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी कहा है कि भाजपा शासित एमसीडी ने पहले सैकड़ों वर्ष पुराना हनुमान मंदिर तोड़ा और अब जनता के आक्रोश से बचने व अपने जघन्य अपराध को छिपाने के लिए आम आदमी पार्टी पर आरोप लगा रही है। जबकि कांग्रेस ने आप और भाजपा दोनों को घेरा है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा, चांदनी चौक में मंदिर के पुनः निर्माण के लिए जल्द ही उपराज्यपाल अनिल बैजल से मिलकर इस संदर्भ में पार्टी हस्तक्षेप करने की मांग करेगी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली धार्मिक समिति के मंत्री सत्येंद्र जैन हैं और अगर वह चाहते तो धार्मिक समिति में इस मामले का समाधान कर सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। आदेश गुप्ता का कहना है कि सौंदर्यीकरण का काम शुरू होने पर वहां के स्थानीय आरडब्ल्यूए, स्टेकहोल्डर, बाजार संघ, व्यापार संघ ने इसका विरोध किया था लेकिन दिल्ली सरकार ने काम नहीं रोका। दिल्ली बीजेपी विधायक और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि मंदिर के टूटने से लोगों की आस्था को ठेस पहुंचेगी और कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है, इसलिए मंदिर को न तोड़ा जाए। आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक ने बीजेपी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने पहले चांदनी चौक स्थित सैकड़ों वर्ष पुराना हनुमान मंदिर तोड़ दिया और अब जनता के आक्रोश से बचने व अपने जघन्य अपराध को छिपाने के आम आदमी पार्टी पर आरोप लगा रही है। प्राचीन मंदिर को तोड़ने के लिए सीधे तौर पर भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष और भाजपा के बड़े नेता जिम्मेदार हैं। इस जघन्य अपराध के लिए इन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दुर्गेश पाठक ने दावा किया कि भाजपा शासित नगर निगम द्वारा कोर्ट में हलफनामा दायर करके यह बात कही गई है कि यह मंदिर अतिक्रमित जमीन पर बना हुआ है और हम इस हनुमान मंदिर को तोड़ना चाहते हैं, जिस पर कोर्ट ने उन्हें तोड़ने की अनुमति दी। पाठक ने कहा कि कहीं भारतीय जनता पार्टी की असलियत जनता के सामने न आ जाए, कहीं भाजपा को जनता के विरोध का सामना न करना पड़ जाए, इसलिए रात के अंधेरे में जब सब लोग सो रहे होते हैं तो भारतीय जनता पार्टी की एमसीडी ने दिल्ली पुलिस के संरक्षण में सैकड़ों वर्ष पुराने प्राचीन हनुमान मंदिर को तोड़ गिराया।

दिल्ली मेट्रो के यात्रियों के साथ नहीं हो सकेगी डिजिटल ठगी, डीएमआरसी ने लोगों को दी राहत

नई दिल्ली । पिछले कुछ महीनों से दिल्ली मेट्रो के यात्रियों के साथ डिजिटल ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। स्मार्ट कार्ड बनवाने से लेकर क्रेडिट कार्ड दिलाने का झांसा देकर मेट्रो यात्रियों से ठगी की जा रही है। अब तक दर्जनभर से अधिक से अधिक इन शातिरों के झांसे में आकर पैसे गंवा चुके हैं। ऐसे में दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने अपने यात्रियों को डिजिटल ठगी से बचाने के लिए लेन-देन में फिर से कैश भी लेना शुरू कर दिया है।

ऐसे में डीएमआरसी का कहना है कि ठगी के मामलों में तेजी से कमी आएगी। बता दें कि मेट्रो का स्मार्ट कार्ड बनाने के साथ रिचार्ज कराने और मेट्रो से जुड़े अन्य ऑनलाइन कामों के लिए भी डिजिटल ठगी के मामलों में इजाफा होने लगा है। ऐसे में डीएमआरसी ने अपने स्टेशनों पर मेट्रो का कार्ड रिचार्ज करने के लिए नकदी लेना शुरू किया है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि भोले-भाले लोग शातिरों के झांसे में आने से बचेंगे।

जीजाजी की जलवा बताकर ठग लिए थे हजारों- पिछले महीने दिल्ली मेट्रो में ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया था। दरअसल, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर मिले शातिर बदमाशों ने एक मेट्रो यात्री से कहा कि बिहार जाने में हम तुम्हारी मदद करेंगे। इसके बाद उन्होंने बाद उन्होंने यह भी कि उनके जीजाजी रेलवे में हैं और ट्रेन की टिकट मिल जाएगी।

इसके बाद उनसे हजारों रुपये ले लिए। दरअसल, दिल्ली पुलिस की मेट्रो इकाई ने बिहार के पूर्वी चंपारण के रहने वाले अनिल कुमार दास और यूपी के हापुड़ के रहने वाले जाहिद नाम के 2 ठगों को गिरफ्तार किया था। ये शातिर लोगों को विश्वास में लेते हुए कहते थे- हमारे जीजा जी रेलवे में टीटीई हैं, हम तुम्हें ट्रेन में सीट दिलाकर अपने साथ आराम से ले जाएंगे, हमें भी बिहार जाना है। इसके बाद कुल पाचों शातिर बदमाशों ने शिकायतकर्ता का एक ट्रॉली बैग, एक मोबाइल फोन, एक शोल्डर बैग, 6,000 रुपये नकदी, एक एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड की कॉपी लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन उसके चीखने-चिल्लाने पर सभी गिरफ्त में आ गए।

कांग्रेस का आरोप, भाजपा और दिल्ली सरकार की साजिश से टूटा मंदिर

नई दिल्ली । चांदनी चौक इलाके में हनुमान मंदिर तोड़े जाने का मामला पूरी तरह से राजनीतिक रंग ले चुका है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी एक-दूसरे पर लगातार तीन दिन से हमलावर हैं। इस बीच चांदनी चौक में प्राचीन हनुमान मंदिर तोड़े जाने पर कांग्रेस ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने जहां इस मंदिर के लिए वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं, जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली के असंख्य लोगों की भावनाएं इस मंदिर से जुड़ी थीं और इसके टूटने से लोग आज आहत महसूस कर रहे हैं। हजारों की संख्या में श्रद्धालु आज भाजपा व आप की बेरुखी से स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की सत्ता पर क़ाबिज दोनों पार्टियों ने इस मुद्दे पर जनता को पहले गुमराह किया और अब घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

चांदनी चौक लोकसभा सीट से पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि हिंदू धर्म का खुद को ठेकेदार बताने वाली भाजपा का कोई नेता न इस मंदिर को बचाने के लिए सामने आया और न ही किसी ने मंदिर में स्थापित भगवान की मूर्तियों को संभाला। वहीं अनिल चौधरी ने कहा कि राज्य में सत्तासीन अरविंद केजरीवाल सरकार और भाजपा शासित नगर निगम सस्ते प्रचार के लिए मंदिर तोड़े जाने पर एक दूसरे के मत्थे आरोप मढ़ रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि दिल्ली सरकार की सहमति से ही उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने इस प्राचीन हनुमान मंदिर को हटाया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने इसे भारतीय जनता पार्टी और दिल्ली सरकार की साजिश बताया है। यहां पर बता दें कि रविवार को सुबह उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने सड़क निर्माण के लिए इस हनुमान मंदिर को ढहा दिया। यह सब कोर्ट के आदेश पर किया गया।

गाजियाबाद के जिला महिला अस्पताल में कोविड-19 वैक्सीन के प्रशासन के लिए तैयारियों के तहत स्वास्थ्यकर्मी एक टेस्ट प्रक्रिया में भाग लेते हुए।

संपादकीय

अपेक्षा और उपेक्षा के बीच फंसे हम

पिछली तीन शताब्दियों में राज्य बहुत शक्तिशाली हुआ है। इस शक्ति ने जहां उसे नागरिकों की जिंदगी में दखल देने के असीमित अधिकार दे दिए हैं, वहीं उसकी हद में रहने वाले निवासियों की अपेक्षाएं भी इस सीमा तक बढ़ गई हैं कि सुरक्षा, परिवहन, शिक्षा या स्वास्थ्य जैसे हर मसले पर वे राज्य के सकारात्मक हस्तक्षेप की उम्मीद करने लगे हैं। यह राज्य के प्रभावी दखल का ही नतीजा है कि कोविड-19 महामारी पूर्व की प्लेग, हैजा या सौ साल पहले फैली स्पेनिश फ्लू जैसी बीमारियों सा तांडव नहीं कर सकी। पुराने अनुभवों के अनुसार, दशकों में तैयार होने वाला टीका भी एक वर्ष से कम में तैयार हो गया। भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में राज्य शक्तिशाली तो हुआ और नागरिकों की अपेक्षाएं भी बढ़ीं, पर दोनों के बीच के द्वंद्व से बड़ी दिलचस्प स्थितियां भी पैदा होती रही हैं। पिछले एक हफ्ते में कई सौ यात्री लंदन से भारत आए और आशंका के अनुसार उनमें से कुछ कोरोना पॉजिटिव भी निकले। हवाई अड्डों पर उनकी जांच और संक्रमित मरीजों को अस्पताल तक ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी थी। लेकिन अमृतसर, दिल्ली या बेंगलुरु हवाई अड्डों पर जो कुछ हुआ, वह भयावह हद तक मनोरंजक था। दुनिया के किसी भी सभ्य समाज में एक मरीज की सबसे स्वाभाविक प्रतिक्रिया यही होगी कि जैसे ही उसे पता चलेगा, वह बीमार है; वह तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहेगा। यहां कुछ ऐसा हुआ कि बहुत से मरीजों को जब खुद के कोरोना पॉजिटिव होने का पता चला, तब वे सामने खड़े डॉक्टरों से मुंह चुराकर भाग खड़े हुए। यह अविश्वसनीय व्यवहार जनजातीय इलाकों के भोले-भाले निवासियों का नहीं, बल्कि विलायत पलट महानगरों में रहने वालों का था। पर ध्यान से देखें, तो यह काफी हद तक स्वाभाविक भी था। कोरोना-काल कई अर्थों में देश की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चुनौती जैसा रहा। पहले चक्र में ही स्पष्ट हो गया था कि पिछले सत्तर वर्षों में हमने चिकित्सा-क्षेत्र में जरूरी निवेश नहीं किया है और हमारी सुविधाएं किसी बड़ी महामारी के दौरान भारी संख्या में मरीजों की देखभाल करने में समर्थ नहीं हैं। दूसरा दौर उन उपकरणों के अभाव की शिनाख्त का था, जो किसी संक्रामक रोग से लड़ने के लिए जरूरी हैं। इसे राज्य की शुरुआती सफलता कहेंगे कि कुछ हफ्तों में ही अस्पतालों में बेड, वेंटीलेटर या डॉक्टरों के लिए पीपीई किट जैसी जरूरी सामग्रियां जुटा ली गईं, पर उस खौफ का क्या करेंगे, जिसके चलते मरीज डॉक्टर को देखते ही भाग खड़े होते हैं! सन 1950 या 60 के दशक में कुंभ जैसे बड़े मेलों में खौफनाक सी दिखने वाली हैजे की सूइयों को देखकर कांपते-भागते ग्रामीणों के चित्र देखकर हंसने वाले शहरी खुद भी कोरोना अस्पतालों को देखकर क्यों भाग रहे हैं, इसे समझने के लिए चंद उदाहरण काफी हैं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान में राज्य के मंत्री और पूर्व क्रिकेटर चेतन चौहान को जब अस्पताल कर्मियों के व्यवहार का सीधा अनुभव हुआ, तो वह वहां से भाग खड़े हुए और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती हुए। दुर्भाग्य से वह वहां भी जीवित नहीं बचे, पर जिन कारणों से सरकारी अस्पताल से भागे थे, उनसे तो उन्हें छुट्टी मिली ही होगी। इन कारणों को समझना हो, तो पूर्व आईएएस अधिकारी और जाने-माने मानवाधिकार कार्यकर्ता हर्ष मंदर के अनुभवों को पढ़ना उचित होगा। हर्ष कोरोना मरीज के रूप में राजधानी के एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में भर्ती हुए। उनके दिल दहलाने वाले अनुभव सोशल मीडिया पर गश्त कर रहे हैं और बकौल उनके ये आधी से भी कम तकलीफों को बयां करते हैं। इनके मुताबिक, इस संस्थान के लिए मरीज भेड़-बकरी से अधिक कुछ नहीं हैं। उन्हें वार्ड रूपी जेलों में भर्ती करके संस्थान के कर्मचारी गायब हो जाते हैं। होटलों के बंद होने से बेरोजगार हुए बैरों को इन वार्डों में सेवा के लिए भर्ती कर लिया गया है, जो बिना किसी प्रशिक्षण, पापी पेट के लिए अपनी जान हथेली पर रखकर, मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। लगभग हर दूसरे दिन किसी न किसी न्यूज चैनल पर कोरोना ज्ञान बांटते इस संस्थान के निदेशक से पूछा जाना चाहिए कि वे मोटे-मोटे वेतन पाने वाले अपने डॉक्टरों और नर्सों को मरीज देखने के लिए क्यों नहीं मजबूर कर सकते? अगर महंगे सुरक्षा उपकरणों से लैस होकर भी इनकी जान खतरे में है, तो निजी अस्पतालों के कर्मी कैसे मरीजों को देखते हैं या अप्रशिक्षित गरीब होटल बैरों की जान की क्या कोई कीमत नहीं है? यह भी पूछा जा सकता है कि मरीजों के वार्डों में सफाई क्यों नहीं होती या जनता की गाढ़ी कमाई से खरीदे गए वेंटीलेटर काम क्यों नहीं करते? पर इन सवालों को पूछ सकने में सक्षम प्रभु वर्ग तो खुद के कोरोना ग्रस्त होते ही निजी अस्पतालों की ओर लपकता है। भारतीय नागरिकों की राज्य से अपेक्षाएं और राज्य की संस्थाओं से हासिल होने वाली निराशा दिन-प्रतिदिन इसलिए भी बढ़ रही है, क्योंकि लोकतंत्र ने उनकी उम्मीदें बढ़ा तो दी हैं, पर उसी रफ्तार से संस्थाओं का प्रदर्शन नहीं सुधरा है। आप किसी भी सरकारी दफ्तर में जाएं, आम जनता अभी भी याचक है। पुलिस साधारण नागरिक के साथ दुर्व्यवहार करती है और आदतन मुकदमे नहीं लिखती, सरकारी विद्यालयों में शिक्षक अपवाद-स्वरूप ही पढ़ाते हैं या दफ्तरों में कर्मचारियों को देर से आकर भी काम न करते और गप्प लड़ाते देखकर किसी को आश्चर्य नहीं होता। आम आदमी की मुसीबतें इसलिए भी बढ़ जाती हैं कि निजी क्षेत्र सिर्फ मुनाफे के लिए काम करता है और अधिक धन कमाने के वास्ते कुछ भी कर सकता है। निजी अस्पताल या शिक्षण संस्थान आम जन की पहुंच के बाहर हैं। यह एक सभ्यता-संबंधी समस्या है। हमें इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि मनुष्य हमारी चिंता के केंद्र में कब आएगा? अगले कुछ वर्षों में हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे, पर तब भी मानव विकास के सूचकांक पर दुनिया के निचले पायदान पर शायद सबसे पिछड़े मुल्कों के साथ खड़े होंगे। 21वीं शताब्दी की तीसरी दहाई कुछ ही दिनों में शुरू होने जा रही है, तो क्या हमें प्रयास नहीं करना चाहिए कि जनता की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुकूल सरकारी संस्थाओं का आचरण भी एक सभ्य समाज के अनुकूल हो? निस्संदेह, यह हमारे इतिहास की एक लंबी और मुश्किल यात्रा होगी।

प्रवीण कुमार सिंह

कांग्रेस की राह का रोड़ा बना गांधी परिवार, राष्ट्रीय स्तर पर लगातार कमजोर होती जा रही है पार्टी

कांग्रेस भाजपा पर तो यह आरोप मढ़ती है कि वह मतदाताओं का ध्रुवीकरण कर हिंदू-मुस्लिम खाई को बढ़ा रही, लेकिन यह देखने से इन्कार करती है कि खुद उसने मुस्लिम तुष्टीकरण करके यह खाई पैदा की है। कांग्रेस नेतृत्व यह देखने को भी तैयार नहीं कि पार्टी किस तेजी से अपनी जमीन खोती जा रही है। एक के बाद एक राज्यों में क्षेत्रीय दल उसकी राजनीतिक जमीन पर कब्जा करते जा रहे हैं। इसी कारण वह राष्ट्रीय स्तर पर कहीं अधिक कमजोर दिखने लगी है। वह कोई ऐसा विचार सामने नहीं रख पा रही है, जो जनता को आर्किषत कर सके।

बीते दिनों कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने असंतुष्ट माने जाने वाले पार्टी के 23 नेताओं के साथ बैठक कर उन मसलों को सुलझाने की कोशिश की, जो इन नेताओं ने करीब चार माह पहले लिखी चिट्ठी में उठाए थे। लगता नहीं कि इस बैठक से बात बनी, क्योंकि इस पर कुछ कहा नहीं गया। उलटे यह बताया गया कि पार्टी राहुल गांधी को अध्यक्ष बनते हुए देखना चाहती है। इसके एक दिन पहले ही गांधी परिवार के करीबी रणदीप सिंह सुरजेवाला की ओर से यह कहा गया था कि कांग्रेस के 99.99 प्रतिशत नेता राहुल को अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। कांग्रेस और गांधी परिवार जो भी फैसला ले, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि 23 नेताओं ने सोनिया गांधी को भेजी गई चिट्ठी में जो मसले उठाए थे, उनमें से एक यह भी था कि कांग्रेस राजनीतिक विमर्श में पिछड़ती जा रही है और वह भाजपा को चुनौती नहीं दे पा रही है। यह एक सच्चाई भी है, क्योंकि भाजपा और मोदी सरकार के विरोध के नाम पर या तो उथली बयानबाजी की जा रही है या फिर कटाक्ष भरे ट्वीट। राहुल यह समझने को तैयार नहीं कि सरकार के अंध विरोध को राजनीति नहीं कहा जा सकता।

एक समय कांग्रेसजनों ने यह माहौल बनाया था कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस बिखर जाएगी, लेकिन आज की हकीकत यह है कि यह परिवार पार्टी के लिए बोझ बन गया है। कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही है। वह सबसे ज्यादा कमजोर तब हुई जब राहुल गांधी ने उपाध्यक्ष और अध्यक्ष के रूप में उसकी कमान संभाली। बावजूद इसके यही कहा जा रहा है कि उन्हें फिर से अध्यक्ष बनना चाहिए। यदि वह अध्यक्ष बनने को तैयार होते हैं तो फिर यह संभव ही नहीं कि इस पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए कोई और सामने आए। कांग्रेस अपने विचारों और

नीतियों से तो अलग होती ही जा रही है, उस पर वामपंथी दलों की सोच भी हावी हो रही है। वह केरल में वाम दलों के खिलाफ है, लेकिन बंगाल में उनके साथ ही चुनावी लड़ने की तैयारी कर रही है। आखिर यह वैचारिक खोखलेपन और भटकाव का प्रमाण नहीं तो और क्या है?

यह भी कांग्रेस के वैचारिक खोखलेपन का प्रमाण ही कहा जाएगा कि बीते लोकसभा चुनावों के पहले राहुल ने मंदिर-मंदिर जाना और खुद को दत्तात्रेय ब्राह्मण बताना शुरू किया। इसके कोई सकारात्मक नतीजे न मिलने थे, न मिले, क्योंकि सब जान रहे थे कि यह महज एक दिखावा है। कांग्रेस खुद को सांप्रदायिकता से लड़ने वाले दल के रूप में प्रचारित करती है, लेकिन केरल में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है। पिछले लोकसभा चुनाव में वायनाड में राहुल की जीत मुस्लिम लीग के सहयोग-समर्थन से ही संभव हो सकी। राहुल जिस वामपंथ के प्रभाव में आते जा रहे हैं, वह वही है जो दुनिया भर में अप्रासंगिक हो रहा है। यह वामपंथ के असर का ही प्रमाण है कि राहुल दिल्ली में डेरा डाले किसान संगठनों के पक्ष में वही भाषा बोल रहे हैं, जो वाम दल बोल रहे हैं। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति से मिलकर कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करने के बाद राहुल गांधी ने अपना यह पुराना राग फिर अलापा कि मोदी अपने तीन-चार पूंजीपति मित्रों की मदद के लिए ये कानून लाए हैं। उनका यह राग तब से चल रहा है जबसे मोदी प्रधानमंत्री बने हैं। उनकी मानें तो यह सरकार कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए ही काम करती है।

उन्होंने यह आरोप 2019 के लोकसभा चुनाव में भी खूब उछाला। नतीजा क्या रहा, यह सबको पता है। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद राहुल ने यह भी तंज कसा कि अब देश में लोकतंत्र रह ही नहीं गया है और जो है वह केवल कल्पना में है। यह अच्छा हुआ कि इसका जवाब गत दिवस खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस की कथनी और करनी को रेखांकित करके दिया। आखिर परिवार को पार्टी का पर्याय बना देने वाले किस मुंह से लोकतंत्र की सीख दे रहे हैं? भले ही कांग्रेसी यह कहते हों कि राहुल राजनीतिक रूप से बहुत मेधावी हैं, लेकिन उनकी बातें उनके खोखले राजनीतिक चिंतन की ही गवाही देती हैं। एक समस्या यह भी है कि वह राजनीति के प्रति समर्पित नहीं दिखते। बिहार में हालिया विधानसभा चुनाव के बीच वह छुट्टी मनाने चले गए। इस पर हैरानी नहीं कि कांग्रेस के 23 नेताओं ने अपनी चिट्ठी में इसका उल्लेख किया था कि अगर राहुल को अध्यक्ष के तौर पर काम करना है तो वह पर्याप्त गंभीरता दिखाएं। वास्तव में इस चिट्ठी में जो नहीं लिखा गया, वह यह था कि राहुल की जैसी सोच और कार्यशैली है, उससे कांग्रेस का भला नहीं होने वाला।

यदि बीते चार दशक की राजनीति को देखा जाए तो कांग्रेस का स्वर्णिम काल वह था, जब नरसिंह राव ने वित्त मंत्री मनमोहन सिंह को साथ लेकर भारत को एक नई दिशा दी- आर्थिक रूप से भी और कूटनीतिक रूप से भी। विडंबना यह है कि राव सरकार ने जिन कदमों के जरिये देश की अर्थव्यवस्था को उबारा, आज कांग्रेस उनका ही विरोध कर रही है। यह देखना दयनीय है कि कृषि सुधारों पर वह वामदलों जैसी सोच दिखा रही है। वह उन कृषि कानूनों पर किसानों को गुमराह कर रही, जिनकी पैरवी खुद उसने की थी। कांग्रेस और खासकर राहुल ने यही काम नागरिकता संशोधन कानून को लेकर भी किया था। राहुल को इस सरकार के हर काम में खराबी दिखती है। कोविड-19 पर नियंत्रण के मामले में एक मिसाल कायम करने के बाद भी वह सरकार को कोसने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस भाजपा पर तो यह आरोप मढ़ती है कि वह मतदाताओं का ध्रुवीकरण कर हिंदू-मुस्लिम खाई को बढ़ा रही, लेकिन यह देखने से इन्कार करती है कि खुद उसने मुस्लिम तुष्टीकरण करके यह खाई पैदा की है। कांग्रेस नेतृत्व यह देखने को भी तैयार नहीं कि पार्टी किस तेजी से अपनी जमीन खोती जा रही है।

एक के बाद एक राज्यों में क्षेत्रीय दल उसकी राजनीतिक जमीन पर कब्जा करते जा रहे हैं। इसी कारण वह राष्ट्रीय स्तर पर कहीं अधिक कमजोर दिखने लगी है। वह कोई ऐसा विचार सामने नहीं रख पा रही है, जो जनता को आर्किषत कर सके। बेहतर होगा कि कांग्रेस के असंतुष्ट नेता हिम्मत जुटाकर यह कह सकें कि गांधी परिवार के हावी रहते पार्टी का भला नहीं होने वाला।

जहां रेल भी हरी झंडी के बिना नहीं बढ़ती आगे, वहां वैक्सीन का स्वागत फीता काटकर होना तय मानिए

उत्सव प्रधान हमारे देश में बस कल्पना ही की जा सकती है कि जिस कोरोना ने हमें साल भर छकाया उसे मात देने वाली वैक्सीन के आगमन पर कैसे हालात बनेंगे? आखिर टीकाकरण के दौरान कैसा मंजर दिखेगा? जहां रेलगाड़ी भी हरी झंडी दिखाए बिना आगे नहीं बढ़ती वहां वैक्सीन का आगाज भी फीता काटकर तय होना मानिए। शहरों में जहां टीकाकरण की व्यवस्था होगी वहां निश्चित ही मंच, माइक और माला वैक्सीन के वेलकम में सजाए जाएंगे। टीके से पहले कोरोना पर 'दो शब्द' का आयोजन तो होगा ही। उनमें भी आधा शब्द वैज्ञानिकों के आभार और पूरे डेढ़ शब्द स्थानीय नेताजी की शान में खर्च होंगे। जो नेता किसी जमाने में पोलियो की दो बूंद पिलाते हुए तस्वीर खिंचवाने से वंचित रह गए वे इस आपदा में आए अवसर को लपककर ही मानेंगे। मोहल्ले-चौराहों में कोरोना का टीका लगने पर हार्दिक बधाई वाले बैनरों की नई वैरायटी धूम मचाएगी। हर मामले में आगे रहने वाला बॉलीवुड भला वैक्सीन के मामले में क्यों पीछे रहेगा। मनीष मल्होत्रा सितारों की वैक्सीन लगवाने के अवसर पर पहनी जाने वाली ड्रेस डिजाइन करेंगे। दो हीरोइनें ट्विटर पर लड़ाई करते भी देखी जा सकती है। वैक्सीन को राजधानी से जिलों तक लोडिंग वाहन में लेकर जाने वाला ड्राइवर विधायकों को रिसॉर्ट लेकर जाने वाली बस के ड्राइवर सा फील कर रहा होगा।

यह बात और है कि गांवों में सड़क, बिजली, पानी आने में दशकों लग गए, लेकिन वैक्सीन तो समय पर आ ही जाएगी! हां, यह अलग है कि तिमंजले मकान वाले बीपीएल कार्ड धारी स्वयंभू गरीब परिवार वंचित बनकर दवा पर पहले दावा करते दिखें तो हैरान मत होना। वहीं गधे की लीद में मसाला व्यापार खोजने वाले मिलावटखोर वैक्सीन से आत्मनिर्भर होने की कारस्तानी को अंजाम देने की फिराक में होंगे। उधर फेक मैसेज इंडस्ट्री भी अपना उल्लू सीधा करने से बाज नहीं आएगी। अनजान नंबरों से वैक्सीन वाली लॉटरी के फोन घनघनाएंगे। थानों में रजिस्टर वैक्सीन लूटते चार आरोपी गिरफ्तार, वैक्सीन के नाम पर ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया, छापा मारकर नकली वैक्सीन बनाने की लैब का भंडाफोड़, प्रेमी ने प्रेमिका को वैक्सीन का झांसा देकर जाल में फंसाया, जैसी शिकायतों से भरा मिलेगा। यदि चाइना से वाया अमेरिका वाली पतली गली से चाइनीज वैक्सीन आ गई तो दिल्ली में लालकिला, मुंबई में चोर बाजार, इंदौर में राजवाड़ा, हैदराबाद में चारमीनार, लखनऊ में अमीनाबाद के ठेलों पर वैक्सीन के ढेर लगे होंगे। ऐसे में चाइनीज झालरों के बायकॉट में चीनी वैक्सीन की भागीदारी भी शामिल हो जाएगी। आपदा में अवसर के रूप में कोरोना के वेलकम में इलाज की रेट लिस्ट जारी करने वाले ब्रांडेड अस्पताल वैक्सीन पैकेज के प्रचार-प्रसार में जुटे होंगे। ये अस्पताल अपना खुद का बैंक भी खोल सकते है! वैक्सीन लगवाने को अपने ही बैंक से लोन देंगे, फिर अपने ही अस्पताल में वो पैसा जमा करके अपने ही बैंक में ट्रांसफर कर देंगे। इससे अर्थव्यवस्था को गति भी मिलती रहेगी। इस बीच 'बाय वन गेट वन फ्री' वाले ऑफरों की जगह फ्री वैक्सीन का बाजार ले लेगा। वैक्सीन के लालच में फलां पार्टी के चार विधायक ढिमका पार्टी में शामिल हुए जैसी खबरें सुनकर कोई अचरज नहीं होगा। सबसे महत्वपूर्ण तो नामी गिरामी स्कूल वाले अपनी तय की हुई जगहों से ही वैक्सीन लगवाने के लिए अड़ जाएंगे। बेरोजगारों को नौकरी पहले मिलेगी या टीका, यह समय ही बताएगा। नई नौकरियों के विज्ञापन में डिग्री से पहले वैक्सीन जरूरी की शर्त आ गई मतलब गई भैंस पानी में। वैवाहिक विज्ञापनों में लड़का गोरा-काला नहीं वैक्सीन वाला देखा जाएगा। घर में काम वाली बाई से लेकर कार का ड्राइवर और लॉन का माली तक टीका लगा हुआ रखा जाएगा। जो सब्जी वाला पहले वैक्सीन लगवा लेगा वह प्याज पर 5 रुपये किलो वैक्सीन चार्ज लगाकर सब्जी बेचेगा, ऐसे ही ऐसे दूध वाले का मिलावटी दूध भी मंजूर होगा। सब फेसबुक-ट्विटर-इंस्टाग्राम पर टीके के बाद वाली फोटो डालने की होड़ में होंगे। और तो और ट्रक के पीछे 'सावन को आने दो' के बजाय 'वैक्सीन को आने दो' लिखा जाएगा।

विज्ञान सबके लिए, विज्ञान-प्रौद्योगिकी मंत्रालय की पहल

नए साल की शुरुआत में ही केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने खुली विज्ञान नीति के तहत वैज्ञानिक शोधों से जुड़ी तमाम जानकारियां और आंकड़े सबको सुलभ कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना बताया जा रहा है कि देश-विदेश में विज्ञान और तकनीक को लेकर जो भी गतिविधियां चल रही हैं और उनसे जो निष्कर्ष निकल कर सामने आ रहे हैं वे कुछ लोगों तक सीमित न रह जाएं, अपनी इच्छा और पसंद के आधार पर हर कोई उन तक पहुंच बना सके। अभी दिक्कत यह है कि दुनिया की सबसे अच्छी और प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिकाएं काफी महंगी हैं। सामान्य व्यक्तियों की बात तो दूर रही, बड़े संस्थानों को भी अक्सर इन पत्रिकाओं का सब्सक्रिप्शन लेने से पहले सोचना पड़ता है।

नई विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति के प्रारूप के मुताबिक सरकार का इरादा यह है कि दुनिया की बेहतरीन मानी जाने वाली तीन-चार हजार विज्ञान पत्रिकाओं का एकमुश्त सब्सक्रिप्शन ले ले और देशवासियों को उन्हें मुफ्त उपलब्ध कराए। इसके लिए सालाना दो-तीन हजार करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे, लेकिन इसके फायदों को देखा जाए तो यह रकम कुछ भी नहीं है। यह खुली विज्ञान नीति देश के अंदर होने वाली रिसर्चों पर भी लागू होगी। प्रस्थापना यह है कि सरकारी फंडिंग से होने वाली तमाम रिसर्चों का भार वास्तव में देश के टैक्सपेयर्स ही उठाते हैं। इसलिए इनसे निकलने वाले नतीजों की जानकारी पाने के लिए उन्हें फिर से पैसा भरने के लिए कहना उचित नहीं। लिहाजा सरकारी सहायता से होने वाले सभी शोधों से जुड़ी रिपोर्टें लोगों को मुफ्त मुहैया कराई जाएंगी।

इस नई नीति का प्रारूप एक जनवरी को सार्वजनिक करके इस पर लोगों से सुझाव मांगे गए हैं। उम्मीद की जा रही है कि साल के मध्य तक जरूरी संशोधनों के साथ इस नीति को मंजूरी मिल जाएगी। ध्यान देने की बात है कि अब तक किसी भी देश ने इस तरह की कोई पहल नहीं की है। भारतीय समाज इस दिशा में पहले कदम बढ़ाकर अन्य विकासशील समाजों को भी इसके लिए प्रेरित कर सकता है। इस कदम से न केवल समाज के लोकतांत्रिक मिजाज को मजबूती मिलेगी बल्कि वैज्ञानिक सोच को लोगों के बीच प्रतिष्ठित करने का काम भी होगा। इससे यह समझ बनाने में मदद मिलेगी कि वैज्ञानिक दृष्टि सिर्फ लैब में बैठकर रिसर्च करने के लिए नहीं होती।

हर पल, हर चीज को जिज्ञासा और तर्क से जोड़कर देखना ही वैज्ञानिक विचार पद्धति को अपनाना है। आज के दौर में जब कई पीछे छूट चुकी बहसें नए सिरे से जिंदा हो रही हैं और दफन किए जा चुके अंधविश्वासों के भूत अलग-अलग तबकों में सिर उठाते दिख रहे हैं, तो विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इस पहल की अहमियत और बढ़ जाती है। सरकार इस प्रारूप को जितनी जल्दी अपनी नीति का हिस्सा बना सके, उतना ही बेहतर रहेगा।

बच्चों पर कार्टून सीरियल्स का दिख रहा बहुत प्रभाव, दैनिक जीवन में दिखने लगा असर

हमारे देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक बीत चुके हैं लेकिन हमने अबतक अपनी संस्कृति को केंद्र में रखकर ठोस काम नहीं किया।

आजादी के पचहत्तर साल पूरे होने के मौके पर फिल्म जगत के बड़े निर्माताओं ने फिल्में बनाने की घोषणा की है। करण जौहर ने इसकी घोषणा करते हुए ट्वीटर पर प्रधानमंत्री को टैग भी किया है। जरूरत इस बात है कि करण और उनके जैसे बड़े निर्माता बच्चों के लिए मनोरंजन सामग्री बनाने के बारे में भी विचार करें। अगर हम ऐसा कर पाते हैं तो ना केवल अपनी संस्कृति को सांस्कृतिक औपनिवेशिक हमलों से बचा पाएंगे बल्कि आनेवाली पीढ़ी को भी भारतीयता से जोड़कर रख पाएंगे।

अभी अभी क्रिसमस बीता है, उस अवसर पर एक मित्र से बात हो रही थी। उन्होंने बताया कि क्रिसमस के दो दिन पहले उनकी तीन साल की बिटिया ने उनसे पूछा कि व्हेयर इज माइ क्रिसमस ट्री उसके पहले भी वो अपनी बिटिया के बारे में बताते रहते थे और इस बात को लेकर चिंता प्रकट करते थे कि बच्चों पर कार्टून सीरियल्स का असर पड़ रहा है। क्रिसमस ट्री वाली बात बताते हुए उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि बच्चे कहने लगें कि 'टुडे इज संडे, लेट्स गो टूट चर्च' (आज रविवार है, चलो चर्च चलते हैं । उनसे बातचीत होने के क्रम में ही एक और मित्र से हो रही बात भी दिमाग में कौंधी। उसने भी अपने दो साल के बेटे के उच्चारण के बारे में बताया था कि वो इन दिनों वो शूज को शियूज कहने लगा है। इन दोनों में एक बात समान थी कि दोनों के बच्चे यूट्यूब पर चलनेवाले सीरियल पेपा पिग देखते हैं और उसके दीवाने हैं।

लॉकडाउन के दौरान जब बच्चे स्कूल नहीं जा रहे थे तो 'पेपा पिग' और भी लोकप्रिय हो गया। यूट्यूब पर इसका अपना चैनल है जिसको लाखो बच्चे देखते हैं। पेपा पिग चार साल की है जिसका एक भाई है जॉर्ज और उसके परिवार में मम्मी पिग और डैडी पिग हैं। इस कार्टून कैरेक्टर के वीडियोज को ब्रिटेन की एक कंपनी बनाती है और उसको यूट्यूब पर नियमित रूप से अपलोड करती है। ये बातें बेहद सामान्य बात लग सकती है। 'पेपा पिग' के वीडियोज के संदर्भ में ये तर्क भी दिया जा सकता है कि वो परिवार की संकल्पना को मजबूत

करता है। ये बात भी सामने आती है कि ब्रिटेन में जब पारिवारिक मूल्यों का लगभग लोप हो गया था तो बच्चों को परिवार नाम की संस्था की महत्ता के बारे में बताने के लिए पेपा पिग का सहारा लिया गया है। वो वहां काफी लोकप्रिय हो रहा है लेकिन उन्होंने इन वीडियोज को अपने धर्म, अपनी संस्कृति के हिसाब से बनाया है। लेकिन जिस तरह की बातों का उल्लेख ऊपर किया गया है, उसके बाद इन वीडियोज के हमारे देश में प्रसारण के बारे में विचार किया जाना चाहिए।

अगर मेरे मित्रों की कही गई बातों का ध्यान से विश्लेषण करें तो इससे बच्चों के दिमाग में एक ऐसी संस्कृति की छाप पड़ रही है जो भारतीय नहीं है। बालमन पर पड़ने वाले इस प्रभाव का दूरगामी असर हो सकता है। बच्चे अपनी भारतीय संस्कृति से दूर हो सकते हैं। इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि क्या इन वीडियोज से हमारे सांस्कृतिक मूल्यों का और अधिक क्षरण होगा। इस समय संचार माध्यमों का उपयोग अपने हितों का विस्तार देने के औजार के तौर पर किया जा रहा है. इस पर ध्यान रखना अपेक्षित है। तकनीक के हथियार से सांस्कृतिक और धार्मिक उपनिवेशवाद को मजबूत किया जा सकता है। पेपा पिग के माध्यम से जो बातें हमारे देश के बच्चे सीख रहे हैं वो तो कम से कम इस ओर ही इशारा कर रही है। बाल मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि बच्चे जब इस तरह के वीडियोज देखते हैं तो वो अपने आसपास की दुनिया को भी वैसा ही समझने लगते हैं। इसका असर बच्चों के बौद्धिक स्तर पर भले न पड़ता हो लेकिन उसका सामाजिक जीवन प्रभावित होता है। जब सामाजिक जीवन प्रभावित होता है तो संस्कृति भी प्रभावित है।

अभी हाल में भारत सरकार ने क्यूरेटेड और नॉन क्यूरेटेड सामग्री को लेकर मंत्रालयों के बीच स्थिति स्पष्ट की थी। वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स या ओवर द टॉप प्लेटफॉर्म (ओटीटी), जहां क्यूरेटेड सामग्री दिखाई जाती है, उसको सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन किया था। नॉन क्यूरेटेड सामग्री दिखाने वाले जिसमें यूट्यूब, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स आते हैं को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन किया गया। यूट्यूब पर चलनेवाले चैनलों पर अगर भारतीय संस्कृति को प्रभावित करनेवाले वीडियोज हैं तो भारत सरकार को इसको गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसा करना इस वजह से भी आवश्यक है क्योंकि हमने वो दौर भी देखा है जब कांग्रेस ने वामपंथियों को संस्कृति और उससे जुड़े विभाग आउटसोर्स किए थे।

उस दौर में कालिदास के नाटकों पर चेखव के नाटकों और प्रेमचंद के उपन्यास गोदान पर मैक्सिम गोर्की के उपन्यास मां को तरजीह दी गई। परिणाम ये निकला कि हमारा सांस्कृतिक क्षरण बहुत तेजी से हुआ। शिक्षा, भाषा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में जितना काम होना चाहिए था वो हो नहीं पाया। अंग्रेजी के बोलबाला के चलते सांस्कृतिक उपनिवेशवाद को मजबूती मिली। इसका असर बच्चों पर भी पड़ा। भारतीय भाषाओं के बाल साहित्य को अंग्रेजी में उपलब्ध सामग्री ने नेपथ्य में धकेल दिया। अब तकनीक के माध्यम से जिस तरह से भारतीय संस्कृति को दबाने का प्रयास किया जा रहा है उसका प्रतिकार जरूरी है। प्रतिकार का दूसरा एक तरीका ये हो सकता है कि बच्चों के लिए बेहतर वीडियोज बनाकर यूट्यूब से लेकर अन्य माध्यमों पर प्रसारित किए जाएं। इसको ठोस योजना बनाकर क्रियान्वयित किया जाए। भारतीय संस्कृति, परंपरा और भारतीयता को चित्रित करते वीडियोज को बेहद रोचक तरीके से पेश करना होगा ताकि बच्चों की उसमें रुचि पैदा हो सके। हमारे पौराणिक कथाओं में कई ऐसे चरित्र हैं जो बच्चों को भा सकते हैं। इसके लिए सांस्थानिक स्तर पर प्रयास करना होगा क्योंकि 'पेपा पिग' का जिस तरह का प्रोडक्शन है वो व्यक्तिगत प्रयास से बनाना और उसकी गुणवत्ता के स्तर तक पहुंचना बहुत आसान नहीं है।

इसके लिए बड़ी पूंजी की जरूरत है। व्यक्तिगत स्तर पर छिटपुट प्रयास हो भी रहे हैं लेकिन वो काफी नहीं हैं क्योंकि उनकी पहुंच बहुत ज्यादा हो नहीं पा रही है। हमारे देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक बीत चुके हैं लेकिन हमने अबतक अपनी संस्कृति को केंद्र में रखकर ठोस काम नहीं किया।

आजादी के पचहत्तर साल पूरे होने के मौके पर फिल्म जगत के बड़े निर्माताओं ने फिल्में बनाने की घोषणा की है। करण जौहर ने इसकी घोषणा करते हुए ट्वीटर पर प्रधानमंत्री को टैग भी किया है। जरूरत इस बात है कि करण और उनके जैसे बड़े निर्माता बच्चों के लिए मनोरंजन सामग्री बनाने के बारे में भी विचार करें। अगर हम ऐसा कर पाते हैं तो ना केवल अपनी संस्कृति को सांस्कृतिक औपनिवेशिक हमलों से बचा पाएंगे बल्कि आनेवाली पीढ़ी को भी भारतीयता से जोड़कर रख पाएंगे।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

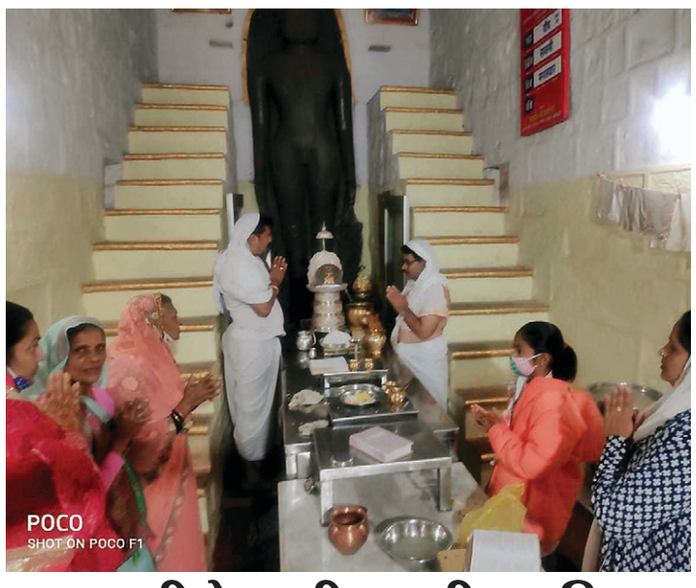

राजधानी के समीप प्राचीन अतिशय क्षेत्र कुरानाजी में विराजमान 1500 साल पुरानी प्राचीन प्रतिमा

भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल में अनेक जिनालय और पूजा स्थल के साथ अनेक रमणीय स्थल हैं भव्य जिनालयों के साथ ताल.तलैयों की नगरी के नाम से विख्यात है, राजधानी के समीप कुराना जी में श्री दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और रमणीयता समेटे हुए है । नरसिंहगढ़ रोड स्थित एरोड्रम के पास तीर्थ क्षेत्र कुराना जी में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की लगभग 1500 वर्ष प्राचीन खड़गासन प्रतिमा विराजमान है प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर को समेटे कुराना जी में अद्भुत आत्म शांति श्रद्धालुओं को प्राप्त होती है । श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के तत्वावधान में कुराना जी तीर्थ क्षेत्र में चहुंमुखी विकास हो रहा है यहां भविष्य में शीघ्र ही भव्य जिनालय प्रस्तावित है । अभी यहां प्राचीन जीर्ण.शीर्ण प्रतिमाओं का संग्रहालय बनाया गया है जिन प्रतिमाओं की सांगोपांग की क्रियायें उड़ीसा से आये कुशल कारीगर कर रहे हैं । दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु ने बताया कि आधुनिक सुविधायुक्त श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये नवीन भवन बनकर तैयार है साथ ही धार्मिक, सामाजिक व मांगलिक कार्यों के लिये लगभग 15 हजार वर्गफिट में विशाल शेड का निर्माण हो चुका है, कुराना तीर्थ क्षेत्र समिति के प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि देश के अनेक शहरों से श्रद्धालु यहां दर्शन हेतु पहुंचते हैं तथा देश के आध्यात्म के नक्शे पर प्राचीन तीर्थ क्षेत्र कुराना जी नव निर्माण के रूप में नजर आयेगा। बच्चों के लिये अनेक मनोरंजन साधनों के साथ गार्डन का निर्माण कार्य भी चल रहा है, राजधानी सहित अनेक शहरों से श्रद्धालु भगवान आदिनाथ का अभिषेक और दर्शन करने पहुंच रहे हैं। आगामी 10 फरवरी को भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर महामहस्तकाभिषेक का भव्य आयोजन किया जायेगा। आज भगवान आदिनाथ का अभिषेक और सभी जगत के जीवों की कल्याण को लेकर मंत्रोच्चारित शांतिधारा की गई और भगवान आदिनाथ के अनंत गुणों की वंदना में अष्ट द्रव्य समर्पित किये गये । पुण्यार्जक परिवार श्रीमती कुसुम राजीव जैन, मनोज जैन एडवोकेट, श्रीमती सुधा जैन, अंशुल जैन परिवार द्वारा धार्मिक अनुष्ठान किये गये ।

क्षेत्र में हुए अनेक निर्माण कार्य पूरे, देश के अनेक शहरों से पहुंचते हैं दर्शन हेतु श्रद्धालु

भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव पर होंगे तीन दिवसीय आयोजन

भोपाल। श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर शहर के दादावाड़ी शाहजहांनाबाद में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान होंगे प्रवर्तनी चंद्रप्रभाश्री मसा की सुशिष्या साध्वी प्रभंजना श्रीजी मसा आदिठाना की निश्रा में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष राजेश तातेड़ ने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ प्रभु के जन्मकल्याणक के अवसर पर तीन दिवसीय आयोजन के दौरान सात जनवरी को प्रातः 9 बजे भक्तांमर महाभिषेक पूजन के साथ धार्मिक आयोजन होंगे। रात्रि 8 बजे संगीतमय आरती एवं भजन संध्या, 8 जनवरी को भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं महापूजन सांय 7 बजे पालना झुलावन की क्रियायें एवं भक्ति नृत्य भोपाल के महावीर बहुमण्डल, बालमण्डल, युवा कलाकारों के द्वारा एवं जन्म की भक्ति नौ जनवरी को प्रातः 18 अभिषेक पूजन और सायंकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे ।

संस्कार विद्यालय की अर्धवार्षिक परीक्षाएं प्रारम्भ

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हायर ग्रुप के विद्यार्थियों की अर्धवार्षिक परीक्षाओं का प्रारम्भ विद्यालय में ऑफ लाइन पद्धति द्वारा किया गया जिसमें शासन द्वारा प्राप्त आदेशों एवं नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखते हुए उन्हें सेनेटाईजर, मास्क एवं सोषल डिस्टेन्स का पालन कराया गया। ऑफ लाइन पद्धति द्वारा परीक्षा देते हुए बच्चों में उत्साह देखा गया।

आधुनिक और समकालीन नृत्य में बेसिक अंतर

भोपाल। योगी डांस थिएटर द्वारा आयोजित 15 दिवसीय लिरिकल कंटेंपरेरी की कार्यशाला रंग श्री लिटिल बैले ट्रुप में आयोजित हुई । लिरिकल कंटेंपरेरी कार्यशाला में मंगलवार को प्रतिभागियों को विशेषज्ञ योगेंद्र सिंह राजपूत ने नृत्य से जुड़ी बारीकियां समझाई। योगी डांस थिएटर की ओर से आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को लिरिकल डांस के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि यह बेले डांस का एक रचनात्मक संयोजन है जिसका अर्थ मृतक के शरीर के माध्यम से संगीत की भावनात्मक एकता को प्रदर्शित करता है इसलिए किसी भी बेसिक मूव्स जैसे डाउन, अप और चेक कर लेना को बच्चों को समझाना होगा। सबसे पहले पथ संचालन सीखना होगा तभी समकालीन नृत्य शैली को समझा जा सकता है। इस कार्यशाला में 5 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चे भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के दसवें दिन बच्चों ने नवीन सागर की कविता उड़ो उड़ो उड़ो सिखाई गई थी। यह भोपाल में इस तरह की पहली समकालीन नृत्य की कार्यशाला है जहां पर कविताओं को सभी बच्चे अपनी कल्पनाओं के रंग से सजा रहे हैं।

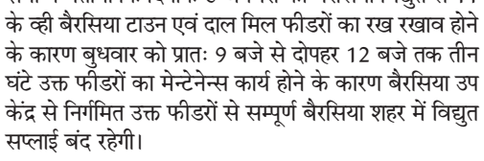

राज्य मंत्रालय में चुनावी सरगर्मियां आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू

मौजूदा अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कार्यकाल फरवरी में होने जा रहा है समाप्त

मंत्रालय में स्वास्थ्य सतर्कता केंद्र को लेकर गरमाई कर्मचारियों के बीच राजनीति

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश की सुर्खियों में रहने वाला राज्य मंत्रालय का चुनाव एक बार फिर चर्चाओं में है। मौजूदा अध्यक्ष का कार्यकाल फरवरी में समाप्त होने जा रहा है। इस कारण चुनाव की सरगर्मियां जहां तेज हो गई है वहीं दूसरी ओर आरोप.प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुका है।

मध्यप्रदेश के मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों में मंत्रालय कर्मचारी एक ऐसा संघ है जिसमें स्पष्ट लोकतंत्र की तस्वीर परिलक्षित होती है। एक प्रकार से कहा जाए तो यह चुनाव पंचायत से लेकर किसी विधानसभा निर्वाचन की नियम प्रक्रिया से कम नहीं होता है। इस प्रक्रिया के तहत पिछले तीन बार से अपनी विजय पताका लहराते आ रहे मौजूदा अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कार्यकाल फरवरी में समाप्त होने जा रहा है। संगठन के बाइलॉज के अनुसार जब कार्यकाल समाप्त होता है तो अध्यक्ष के विवेक पर निर्भर होता है कि वह जब कार्यकाल समाप्त होता है उसी माह में चुनाव करवाएं या फिर इसके अगले 2 माह बाद भी वह निर्वाचन संपन्न करवा सकता है। वर्तमान अध्यक्ष के कार्यकाल समाप्ति की घड़ी नजदीक आते ही बल्लभ भवन में कर्मचारियों के बीच चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई है। वैसे लोकतंत्र में यह भी सर्वविदित है कि जब तक किसी पद के विपरीत विपक्ष का व्यक्ति ना हो तो उसकी गरिमा का कोई महत्व ही नहीं रह जाता है। इंजीनियर सुधीर नायक पिछले तीन बार से लगातार चुनाव जीत रहे तो उनका विरोध भी नहीं रहा है। ठीक इसी प्रकार की तस्वीर इस बार भी देखी जा रही है। सुधीर नायक के शुरुआती संघर्ष के समय में कदम ताल मिलाकर उनका साथ देते रहे मंत्रालय कर्मचारी नेता सुभाष वर्मा अब उनके विरोध में है। पिछला चुनाव सुभाष वर्मा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पैनल के तले सुधीर नायक के खिलाफ लड़ा था। हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिल पाई थी। अब इस बार भी चुनाव की घड़ी नजदीक आते ही सुभाष चंद्र बोस पैनल मौजूदा अध्यक्ष सुधीर नायक के पैनल सरदार बल्लभ भाई पटेल के ठीक सामने ताल ठोक कर खड़ा हो गया है। मंगलवार को अचानक चुनाव की सरगर्मियां इसलिए भी बड़ी क्योंकि अध्यक्ष सुधीर नायक ने अचानक एक कार्यकारिणी की बैठक बुला ली। वैसे यह बैठक तो स्वास्थ्य सतर्कता केंद्र में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर थी लेकिन इसमें विपक्ष का कहना है कि पूरी चुनावी रणनीति बनाई गई। नायक के विपक्षी खेमे ने मंत्रालय में स्वास्थ्य सतर्कता केंद्र को लेकर उन्हें घेरने की पूरी कोशिश की है। कारण है कि इस केंद्र का उद्घाटन करने के लिए इसी सप्ताह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंच रहे हैं।

रिटायरमेंट से लगातार घट रहे नायक के विरोधी

मंत्रालय में पिछले करीब 10 सालों से इंजीनियर सुधीर नायक का जमकर विरोध हो रहा है। चुनाव के दौरान उनके विरोध में खड़े होने वाले कर्मचारी नेताओं की संख्या लगातार घट रही है। नायक के धुर विरोधी रहे राजेंद्र पाराशर पिछले वर्ष रिटायर हो चुके हैं। मौजूदा वर्ष में अगले माह सुधीर नायक के एक और विरोधी ओपी गौर की भी सेवानिवृत्ति है। यह ऐसे कर्मचारी नेता है जो खुलकर सड़क पर खड़े होकर इंजीनियर सुधीर नायक की कमियों को गिनाते हुए प्रत्येक कर्मचारी तक ले जाने का प्रयास करते रहे हैं। अब अगर कहा जाए फिर सुभाष वर्मा संजय राठौर शिवपाल सिंह और शेख मुजीब को छोड़ दें तो कोई ऐसा दमदार और कट्टर विरोधी नहीं है जो सुधीर नायक की खुलकर खिलाफत कर सके।

कर्मचारियों के बीच मुख्यमंत्री के नजदीक बनने की कोशिश कर रहे नायक : राठौर

जिस सरदार वल्लभभाई पटेल पैनल के तले अभी तक सुधीर नायक अपनी जीत का परचम लहराते आ रहे हैं उसके विरोधी नेताजी सुभाष चंद्र बोस पैनल ने घेराबंदी की कोशिश की है। सुभाष चंद्र बोस पैनल की ओर से संजय राठौड़ ने कहा है कि इंजीनियर सुधीर नायक कर्मचारियों के बीच मुख्यमंत्री के नजदीक बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर सुधीर नायक द्वारा मंत्रालय में जो सतर्कता केंद्र खुला जा रहा है। वह चुनाव की नजदीकी में कर्मचारियों को एक प्रकार से लुभाने का प्रयास है। राठौर का कहना है कि ऐसे में आगे अन्य कर्मचारी संगठन भी मंत्रालय में किसी ना किसी बहाने से यहां कक्ष या कार्यालय आवंटित करवाने की कोशिश करेंगे।

जो लोग आरोप लगा रहे हैं वह कांसेप्ट ही नहीं समझ पाए : नायक

इस संदर्भ में मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कहना है कि जो लोग इस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं। वह कोई कांसेप्ट ही नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा है कि मंत्रालय में जिस सतर्कता केंद्र का उद्घाटन मुख्यमंत्री करने जा रहे हैं। उसके पीछे सोच यही है कि लोग यहां आकर बीमारियों से अपना बचाव कर सकें। यहां विभिन्न योगिक क्रियाएं करने का सुझाव विशेषज्ञ देंगे। उन्हें बीमारियों से बचने के तरीके बताए जाएंगे। इसके लिए एलोपैथी होम्योपैथी आयुर्वेद और यूनानी विधाओं के अलग.अलग सेवानिवृत्त डॉक्टर बैठेंगे। यह रिटायर डॉक्टर निशुल्क अपनी सेवाएं देंगे। श्री नायक के अनुसार जहां तक विरोधी मुख्यमंत्री के नजदीक बने रहने के आरोप लगा रहे हैं तो इसमें गलत क्या है।

विरोधियों का काम विरोध करना है हमारा काम कर्मचारियों को न्याय दिलाना है: पटेल

मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल का कहना है कि विरोधियों का कार्य विरोध करना है। जबकि हमारा काम कर्मचारियों को न्याय दिलाना है। राजकुमार पटेल का कहना है कि मंत्रालय ने कोरोना संक्रमित की संख्या लगभग एक सैकड़ा तक पहुंच गई है। हमारे कुछ साथियों ने अपनी जान भी गवा दी है। राजकुमार पटेल का कहना है कि जब कोरोना अपने चरम पर था तब मंत्रालय कर्मचारी संघ ने इस बीमारी से बचाव के लिए मंत्रालय में लगातार संघर्ष किया है। स्वच्छता सैनिटाइजेशन सहित अनेक सुविधाओं की मांग के लिए राज्य सरकार से लड़ाई लड़ी है। कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आगे भी संगठन का यह क्रम जारी रहेगा।

बेटी नहीं, बिजली बचाने में जुटी है सरकार: पीसी शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। मंगलवार को जिला कांग्रेस ने नगर निगम मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री और स्थानीय विधायक पीसी शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार बेटी बचाने की जगह, बिजली बचाने में जुटी है। शहर की सड़कों पर अंधेरा पसरा है और आए दिन महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं हो रही हैं। प्रदर्शन खत्म होने के बाद शहर की समस्याओं से भरा ज्ञापन कांग्रेसियों ने नगरीय प्रशासन मंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा। इससे पहले कांग्रेस निगम के खिलाफ जमकर बरसे। अतिक्रमण कार्रवाई का विरोध करते हुए ठेकेदारों के रूके भुगतान के मामले भी उठाए। दरअसल शहर में बीते दिनों से अंधेरा पड़ा है। इसकी बजह नगर निगम ने स्ट्रीट लाईटों के बिल नहीं भरे हैं। करीब 70 करोड़ रूपए बिजली विभाग का निगम पर बकाया है। इसके विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस ने निगम मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि निगम की कमाई बढ़ने के बाद भी निगम पूरी तरह कंगाल हो गई है। इसकी जांच होना चाहिए। पूर्व मंत्री और स्थानीय विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि सरकार मूलभूत सुविधाओं को छोड़कर बिजली बचाने में व्यस्त है। अधिकारी जनता की नहीं सुन रहे, सब का रिकार्ड बनाया जा रहा है। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने कहा कि बीते 6 महीने से शहर में कोई नया काम नहीं हुआ, इसकी बजह ठेकेदार काम करने से मना कर रहे हैं। निगम ने लंबे समय से ठेकेदारों का भुगतान नहीं किया, इसलिए यह स्थिति बनी हुई है। जबकि महिला कांग्रेस की अध्यक्ष संतोष कंसाना ने आरोप लगाया कि निगम फुटपाथ पर अपना जीवन यापन करने वाले गरीबों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, गरीबों को विस्थान के नाम पर झुग्गियों से बेदखल कर दिया, लेकिन मकान नहीं दिए।

कांग्रेस ने निगम मुख्यालय के बाहर बिना अनुमति दिया धरना

टाइम पूछा, गाल पर उस्तरा मारा.. और मजदूर को लूट लिया

अशोका गार्डन इलाके में हुई वारदात, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल। राजधानी के अशोका गार्डन थाना इलाके में बीती रात दो बदमाशों ने फैक्ट्री जा रहे एक मजदूर को रोक लिया। आरोपियों ने फरियादी से पहले टाइम पूछा, पीड़ित ने मोबाइल से देखकर टाइम बताया, फिर अरोपियों ने मोबाइल को छीन लिया। इतना ही नहीं विरोध करने पर आरोपियों ने युवक के चेहरे पर ब्लेड मार दिया। इसके बाद में उसकी जेब में रखी साढ़े नौ सौ रूपए की नकदी भी छीन ली। इसके बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में मारपीट कर लूट करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फरियादी के बताए हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। हालांकि लुटेरों के संबंध में पुलिस फिलहाल कोई सुराग नहीं जुटा सकी है। पुलिस के मुताबिक सम्राट कॉलोनी निवासी श्यामराव पुत्र चमनलाल राव (28) औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एमपी कॉपर फैक्ट्री में काम करता है। बीती रात करीब सवा 12 बजे पैदल ड्यूटी पर जा रहा था। तभी रास्ते में उसे दो बदमाशों ने रोक लिया और टाइम पूछने लगे। उनकी बातों में आकर युवक ने अपने मोबाइल पर टाइम देखा और उन्हें बताया। इसी बीच बदमाशों ने उस्तरा निकाल लिया और उसके गाल पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं बदमाशों ने युवक का मोबाइल फोन और नकदी 950 रुपए निकाल लिए। इसी बीच युवक ने चिल्लाना शुरू कर दिया तो लोग अपने घर से बाहर आ गए तो बदमाश मौके से फरार हो गए। हमले में युवक को आसपास के लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल का इलाज कराने के बाद उसे डिस्चार्ज कराया और उसकी शिकायत पर मामला दर्ज किया। अब पुलिस हुलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों को दबोच लिया जाएगा। क्षेत्र के पुराने लुटेरों से पूछताछ की जा रही है। वारदात का संदेह चंबल में रहने वाले दो बदमाशों पर है।

एफआईआर दर्ज होते ही इंदौर भागा बलात्कार का आरोपी

भोपाल। युवती को ब्लैकमेल कर 6 माह तक दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस दो दिन बाद भी नहीं दबोच सकी है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण दर्ज होने की भनक लगते ही युवक फरार हो गया है। उसकी लोकेशन फिलहाल इंदौर में है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम इंदौर में डेरा डाले हुए है। लोकेशन के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अनुसार 23 वर्षीय युवती करोंद क्षेत्र में रहती है। उसके पिता का निधन हो चुका है। पिता के निधन के बाद वह पढ़ाई छोड़कर बीते कुछ महीने से निजी कंपनी में काम करने लगी थी। कोरोना संक्रमण काल में वह घर पर ही रहती थी। इसी बीच आसिफ नाम के युवक से युवती की पहचान हो गई।

प्रदेश में लगातार दबंगों द्वारा सरकारी तंत्र पर शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना का जुल्म

भोपाल। प्रदेश में सरकारी अधिकारी कर्मचारियों पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त दबंग लोगों का आतंक थम नहीं रहा है। आए दिन सरकारी तंत्र को शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। मंगलवार को इसी प्रकार का एक और मामला सतना जिले में सामने आया है। यहां पर एक इंजीनियर को जान से मारने की धमकी दी गई है। इसको लेकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अभियंता संघ ने मुख्यमंत्री को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। संगठन अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर ने बताया कि सतना जिले की जनपद पंचायत उचेहरा में पदस्थ उपयंत्री अनिल पटेल को मंगलवार के दिन उनके मोबाइल फोन पर काल आया जो कि टू कॉलर में सर्च करने के बाद आरोपी का नाम पप्पू पांडे गलेही सर्च हो रहा है। उसके द्वारा अनिल पटेल को मोबाइल में फोन लगाकर गाली गलौज एवं गोली मार देने की धमकी दी गयी। जिसको लेकर उचेहरा थाने में शिकायत की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उपयंत्री को मिली धमकी को लेकर मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास अभियंता संघ ने काफी आक्रोश व्यक्त किया है। संघ के जिले के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय मे सतना जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को अभियंताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर और आरोपी के खिलाफकार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। आरोप है कि आये दिन ग्रामीण विकास के अभियंताओं के साथ इस प्रकार के दुर्व्यवहार की शिकायतें मिलती रहती है एजिस कारण अभियंताओ को कार्यस्थल पर भी डर बना रहता है। मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास अभियंता संघ के प्रांत अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह तोमर एवं संघ के पदाधिकारियों द्वारा रोष व्यक्त किया गया कि अब अभियंताओ के ऊपर इस प्रकार की घटनाओं एवं संघ सदस्यो के प्रति दुर्व्यवहार को संघ बिल्कुल भी सहन नही करेगा। जिले के प्रशाशनिक अधिकारियों से संघ द्वारा अभियंताओ को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई है। जिले के अधिकारियों द्वारा यदि उचित कार्यवाही नही की जाती है तो संघ प्रान्त स्तर उच्च अधिकारियों के समक्ष पर ऐसे विषयों को दृढ़ता से रखेगा ।

अब इंजीनियर को धमकी, अभियंता संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर ने सीएम को लिखी चिट्ठी

बशीर बद्र को 47 साल बाद पीएचडी की डिग्री

भोपाल, (आरएनएन)। अजीम शायर बशीर बद्र ने डॉक्टरेट की उपाधि साल 1973 में ही प्राप्त कर ली थी लेकिन वह व्यक्तिगत तौर पर इसे लेने नहीं जा सके थे। अब अलीगढ़ मुस्लिम युनीवर्सिटी ने उन्हें उनकी डिग्री उनके घर भिजवा दी है। अंततः अब 47 साल बाद उनकी पीएचडी की डिग्री मिल गई है। अब आप सोच रहे होंगे कि उम्र के इस पड़ाव पर उन्हें कैसे और क्यों पीएचडी की डिग्री दी गई है। दरअसल बशीर बद्र साहब ने डॉक्टरेट की उपाधि साल 1973 में ही प्राप्त कर ली थी लेकिन वह व्यक्तिगत तौर पर इसे लेने नहीं जा सके थे। अब अलीगढ़ मुस्लिम युनीवर्सिटी ने उनकी डिग्री उनके घर भिजवा दी है। बहुत सरल भाषा में अपनी बात, अपने भाव और एहसास को आम आदमी तक पहुंचा देना बहुत बड़ी कला है और बशीर में ये प्रतिभा कूट-कूटकर भरी है। गजल को लोकप्रिय बनाने में बशीर का नाम अगली पंक्तियों में शुमार है। बशीर साहब की भाषा में वो रवानगी मिलती है जो बड़े-बड़े शायरों में नहीं मिलती।

सेवानिवृत्ति पर स्कूल प्राचार्य को दी भावभीनी विदाई

बैरसिया। राजधानी भोपाल के बैरसिया के शासकीय हाई स्कूल मजीदगढ़ मे पदस्थ प्राचार्य अवधेश कुमार शुक्ला पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी पूर्वक अपनी सेवाएं देते हुए 5 जनवरी मंगलवार को प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए।

इसी के तारतम्य में स्कूल के शिक्षकों ने प्राचार्य अवधेश शुक्ला को स्कूल के समस्त शिक्षकों ने साल श्रीफल से सम्मानित कर पुष्प माला पहनाकर भावभीनी विदाई दी एवं उनके काम करने की शैली को सराहा गया विदाई कार्यक्रम के दौरान शिक्षक राजेंद्र सक्सेना रणधीर मीणा अनीश खान सहित समस्त स्टाफगण मौजूद रहे।

बैरसिया में विद्युत सप्लाई रहेगी बंद

बैरसिया। विद्युत विभाग बैरसिया के कनिष्ठ यंत्री शिशिर शर्मा ने बताया कि दिनांक 6 जनवरी को बैरसिया विद्युत से 11 के व्ही बैरसिया टाउन एवं दाल मिल फीडरों का रख रखाव होने के कारण बुधवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तीन घंटे उक्त फीडरों का मेन्टेनेन्स कार्य होने के कारण बैरसिया उप केंद्र से निर्गमित उक्त फीडरों से सम्पूर्ण बैरसिया शहर में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

यूनियन प्रतिनिधियों की जरूरत खत्म होती जा रही है भेल में

प्रबंधन का आदेश ही सर्वोपरि होता है, 2021 में बीएचईएल के भोपाल कारखाने मे होने हैं यूनियन चुनाव, बुलेटिन जारी करने व ज्ञापन देने तक सीमित हुई भेल की तीनों यूनियन

भोपाल (एजेंसी)। बीएचईल कारखाना भोपाल में 2021 में यूनियन प्रतिनिधियों का चुनाव भी अपेक्षित है। हर पांच साल में कारखाने में यूनियन प्रतिनिधियों का चुनाव होता है और मई 2021 से चुनाव हुए पांच साल हो जाएंगे। ऐसे में इस वर्ष कर्मचारी प्रतिनिधियों का चुनाव होन की पूरी संभावना है, लेकिन दूसरी तरफ भेल के कर्मचारियों को आरोप है कि यूनियन प्रतिनिधियों का काम धीरे धीरे भेल से खत्म होता जा रहा है। अब प्रबंधन का आदेश ही सब कुछ हो गया है। कर्मचारी प्रतिनिधियों की प्रबंधन सुनता ही नहीं है। कर्मचारी प्रतिनिधि सिर्फ बुलेटिन निकालते हैं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की भोपाल इकाई कर्मचारियों की सुविधाओं में आए दिन कटौती करती आ रही है। भेल टाउनशिप में विकास व मरम्मत कार्य कराने के लिए बजट नहीं है। कोरोना काल में बजट की कमी के कारण प्रबंधन ने पहले कर्मचारियों के बच्चों की पढ़ाई में दी जाने वाली सब्सिडी लगभग खत्म कर दी है। वहीं कर्मचारियों को सर्दी के मौसम में दिए जाने वाले स्वेटर नहीं दिए जा रहे हैं। इस तरह एक-एक कर भेल कर्मचारियों की सुविधाओं में कटौती की जा रही है। इससे भेल प्रबंधन के खिलाफ कर्मचारियों का गुस्सा फूट रहा है।

भेल कर्मचारियों का कहना है कि तीनों प्रतिनिधि यूनियनें कर्मचारियों की हित की लड़ाई नहीं लड़ पा रही हैं। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक), भेल ऑल इंडिया एंप्लॉई यूनियन (एबु), भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) सिर्फ बुलेटिन जारी और ज्ञापन तक सिमट गए हैं। ये यूनियन कर्मचारियों की मांगों को लेकर भेल प्रबंधन के खिलाफ एकजुट होकर मोर्चा नहीं खोल पा रही हैं।

सुविधाओं में होती जा रही कटौती

हाल ही में इंटक ने बुलेटिन जारी करके भेल में अनुकंपा नियुक्ति फिर से शुरू करने, एक करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस का लाभ देने सहित अन्य मांगों को लेकर भेल प्रबंधन के समक्ष गुहार लगाई। वहीं एबु ने कुछ दिनों पहले भेल प्रबंधन के अधिकारियों को ज्ञापन देकर अनुकंपा नियुक्ति शुरू करने की मांग की। इससे पहले बीएमएस ने भी मिलकर कर्मचारियों के लिए की जा रही कटौती का विरोध किया। बता दें कि भेल भोपाल में 5500 कर्मचारी हैं। कोरोना काल में भेल को 1585 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इसकी भरपाई करने में भेल प्रबंधन लगा हुआ है, जिससे वह कर्मचारियों की सुविधाओं में कटौती कर रहा व टाउनशिप में मरम्मत कार्य कराने पर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे भेल कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब देखना होगा कि क्या कर्मचारी इन तीनों यूनियन प्रतिनिधियों को दोबारा से कारखाने में मौका देते हैं या फिर नई यूनियनों को अपना प्रतिनिधित्व सौंपते हैं।

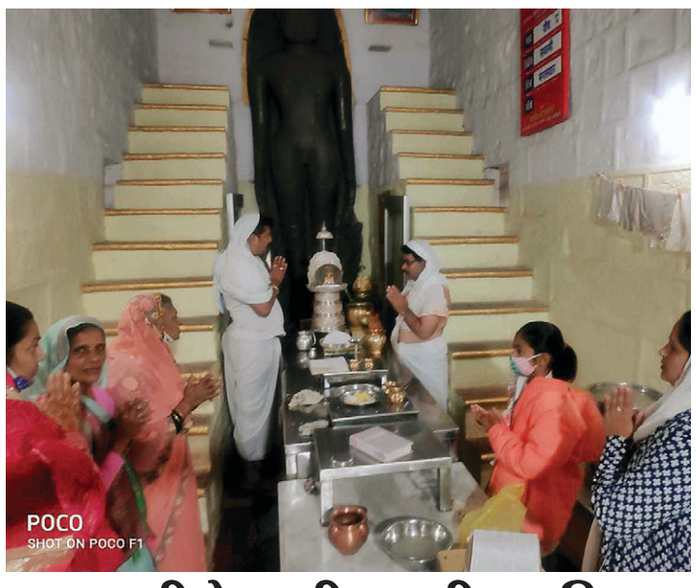

राजधानी के समीप प्राचीन अतिशय क्षेत्र कुरानाजी में विराजमान 1500 साल पुरानी प्राचीन प्रतिमा

भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल में अनेक जिनालय और पूजा स्थल के साथ अनेक रमणीय स्थल हैं भव्य जिनालयों के साथ ताल.तलैयों की नगरी के नाम से विख्यात है, राजधानी के समीप कुराना जी में श्री दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और रमणीयता समेटे हुए है । नरसिंहगढ़ रोड स्थित एरोड्रम के पास तीर्थ क्षेत्र कुराना जी में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की लगभग 1500 वर्ष प्राचीन खड़गासन प्रतिमा विराजमान है प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर को समेटे कुराना जी में अद्भुत आत्म शांति श्रद्धालुओं को प्राप्त होती है । श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के तत्वावधान में कुराना जी तीर्थ क्षेत्र में चहुंमुखी विकास हो रहा है यहां भविष्य में शीघ्र ही भव्य जिनालय प्रस्तावित है । अभी यहां प्राचीन जीर्ण.शीर्ण प्रतिमाओं का संग्रहालय बनाया गया है जिन प्रतिमाओं की सांगोपांग की क्रियायें उड़ीसा से आये कुशल कारीगर कर रहे हैं । दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु ने बताया कि आधुनिक सुविधायुक्त श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये नवीन भवन बनकर तैयार है साथ ही धार्मिक, सामाजिक व मांगलिक कार्यों के लिये लगभग 15 हजार वर्गफिट में विशाल शेड का निर्माण हो चुका है, कुराना तीर्थ क्षेत्र समिति के प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि देश के अनेक शहरों से श्रद्धालु यहां दर्शन हेतु पहुंचते हैं तथा देश के आध्यात्म के नक्शे पर प्राचीन तीर्थ क्षेत्र कुराना जी नव निर्माण के रूप में नजर आयेगा। बच्चों के लिये अनेक मनोरंजन साधनों के साथ गार्डन का निर्माण कार्य भी चल रहा है, राजधानी सहित अनेक शहरों से श्रद्धालु भगवान आदिनाथ का अभिषेक और दर्शन करने पहुंच रहे हैं। आगामी 10 फरवरी को भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर महामहस्तकाभिषेक का भव्य आयोजन किया जायेगा। आज भगवान आदिनाथ का अभिषेक और सभी जगत के जीवों की कल्याण को लेकर मंत्रोच्चारित शांतिधारा की गई और भगवान आदिनाथ के अनंत गुणों की वंदना में अष्ट द्रव्य समर्पित किये गये । पुण्यार्जक परिवार श्रीमती कुसुम राजीव जैन, मनोज जैन एडवोकेट, श्रीमती सुधा जैन, अंशुल जैन परिवार द्वारा धार्मिक अनुष्ठान किये गये ।

क्षेत्र में हुए अनेक निर्माण कार्य पूरे, देश के अनेक शहरों से पहुंचते हैं दर्शन हेतु श्रद्धालु

भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव पर होंगे तीन दिवसीय आयोजन

भोपाल। श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर शहर के दादावाड़ी शाहजहांनाबाद में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान होंगे प्रवर्तनी चंद्रप्रभाश्री मसा की सुशिष्या साध्वी प्रभंजना श्रीजी मसा आदिठाना की निश्रा में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष राजेश तातेड़ ने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ प्रभु के जन्मकल्याणक के अवसर पर तीन दिवसीय आयोजन के दौरान सात जनवरी को प्रातः 9 बजे भक्तांमर महाभिषेक पूजन के साथ धार्मिक आयोजन होंगे। रात्रि 8 बजे संगीतमय आरती एवं भजन संध्या, 8 जनवरी को भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं महापूजन सांय 7 बजे पालना झुलावन की क्रियायें एवं भक्ति नृत्य भोपाल के महावीर बहुमण्डल, बालमण्डल, युवा कलाकारों के द्वारा एवं जन्म की भक्ति नौ जनवरी को प्रातः 18 अभिषेक पूजन और सायंकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे ।

संस्कार विद्यालय की अर्धवार्षिक परीक्षाएं प्रारम्भ

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हायर ग्रुप के विद्यार्थियों की अर्धवार्षिक परीक्षाओं का प्रारम्भ विद्यालय में ऑफ लाइन पद्धति द्वारा किया गया जिसमें शासन द्वारा प्राप्त आदेशों एवं नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखते हुए उन्हें सेनेटाईजर, मास्क एवं सोषल डिस्टेन्स का पालन कराया गया। ऑफ लाइन पद्धति द्वारा परीक्षा देते हुए बच्चों में उत्साह देखा गया।

आधुनिक और समकालीन नृत्य में बेसिक अंतर

भोपाल। योगी डांस थिएटर द्वारा आयोजित 15 दिवसीय लिरिकल कंटेंपरेरी की कार्यशाला रंग श्री लिटिल बैले ट्रुप में आयोजित हुई । लिरिकल कंटेंपरेरी कार्यशाला में मंगलवार को प्रतिभागियों को विशेषज्ञ योगेंद्र सिंह राजपूत ने नृत्य से जुड़ी बारीकियां समझाई। योगी डांस थिएटर की ओर से आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को लिरिकल डांस के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि यह बेले डांस का एक रचनात्मक संयोजन है जिसका अर्थ मृतक के शरीर के माध्यम से संगीत की भावनात्मक एकता को प्रदर्शित करता है इसलिए किसी भी बेसिक मूव्स जैसे डाउन, अप और चेक कर लेना को बच्चों को समझाना होगा। सबसे पहले पथ संचालन सीखना होगा तभी समकालीन नृत्य शैली को समझा जा सकता है। इस कार्यशाला में 5 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चे भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के दसवें दिन बच्चों ने नवीन सागर की कविता उड़ो उड़ो उड़ो सिखाई गई थी। यह भोपाल में इस तरह की पहली समकालीन नृत्य की कार्यशाला है जहां पर कविताओं को सभी बच्चे अपनी कल्पनाओं के रंग से सजा रहे हैं।

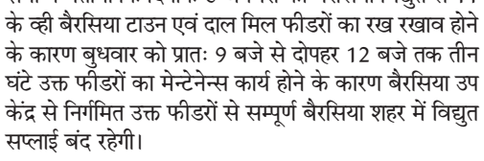

राज्य मंत्रालय में चुनावी सरगर्मियां आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू

मौजूदा अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कार्यकाल फरवरी में होने जा रहा है समाप्त

मंत्रालय में स्वास्थ्य सतर्कता केंद्र को लेकर गरमाई कर्मचारियों के बीच राजनीति

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश की सुर्खियों में रहने वाला राज्य मंत्रालय का चुनाव एक बार फिर चर्चाओं में है। मौजूदा अध्यक्ष का कार्यकाल फरवरी में समाप्त होने जा रहा है। इस कारण चुनाव की सरगर्मियां जहां तेज हो गई है वहीं दूसरी ओर आरोप.प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुका है।

मध्यप्रदेश के मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों में मंत्रालय कर्मचारी एक ऐसा संघ है जिसमें स्पष्ट लोकतंत्र की तस्वीर परिलक्षित होती है। एक प्रकार से कहा जाए तो यह चुनाव पंचायत से लेकर किसी विधानसभा निर्वाचन की नियम प्रक्रिया से कम नहीं होता है। इस प्रक्रिया के तहत पिछले तीन बार से अपनी विजय पताका लहराते आ रहे मौजूदा अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कार्यकाल फरवरी में समाप्त होने जा रहा है। संगठन के बाइलॉज के अनुसार जब कार्यकाल समाप्त होता है तो अध्यक्ष के विवेक पर निर्भर होता है कि वह जब कार्यकाल समाप्त होता है उसी माह में चुनाव करवाएं या फिर इसके अगले 2 माह बाद भी वह निर्वाचन संपन्न करवा सकता है। वर्तमान अध्यक्ष के कार्यकाल समाप्ति की घड़ी नजदीक आते ही बल्लभ भवन में कर्मचारियों के बीच चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई है। वैसे लोकतंत्र में यह भी सर्वविदित है कि जब तक किसी पद के विपरीत विपक्ष का व्यक्ति ना हो तो उसकी गरिमा का कोई महत्व ही नहीं रह जाता है। इंजीनियर सुधीर नायक पिछले तीन बार से लगातार चुनाव जीत रहे तो उनका विरोध भी नहीं रहा है। ठीक इसी प्रकार की तस्वीर इस बार भी देखी जा रही है। सुधीर नायक के शुरुआती संघर्ष के समय में कदम ताल मिलाकर उनका साथ देते रहे मंत्रालय कर्मचारी नेता सुभाष वर्मा अब उनके विरोध में है। पिछला चुनाव सुभाष वर्मा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पैनल के तले सुधीर नायक के खिलाफ लड़ा था। हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिल पाई थी। अब इस बार भी चुनाव की घड़ी नजदीक आते ही सुभाष चंद्र बोस पैनल मौजूदा अध्यक्ष सुधीर नायक के पैनल सरदार बल्लभ भाई पटेल के ठीक सामने ताल ठोक कर खड़ा हो गया है। मंगलवार को अचानक चुनाव की सरगर्मियां इसलिए भी बड़ी क्योंकि अध्यक्ष सुधीर नायक ने अचानक एक कार्यकारिणी की बैठक बुला ली। वैसे यह बैठक तो स्वास्थ्य सतर्कता केंद्र में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर थी लेकिन इसमें विपक्ष का कहना है कि पूरी चुनावी रणनीति बनाई गई। नायक के विपक्षी खेमे ने मंत्रालय में स्वास्थ्य सतर्कता केंद्र को लेकर उन्हें घेरने की पूरी कोशिश की है। कारण है कि इस केंद्र का उद्घाटन करने के लिए इसी सप्ताह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंच रहे हैं।

रिटायरमेंट से लगातार घट रहे नायक के विरोधी

मंत्रालय में पिछले करीब 10 सालों से इंजीनियर सुधीर नायक का जमकर विरोध हो रहा है। चुनाव के दौरान उनके विरोध में खड़े होने वाले कर्मचारी नेताओं की संख्या लगातार घट रही है। नायक के धुर विरोधी रहे राजेंद्र पाराशर पिछले वर्ष रिटायर हो चुके हैं। मौजूदा वर्ष में अगले माह सुधीर नायक के एक और विरोधी ओपी गौर की भी सेवानिवृत्ति है। यह ऐसे कर्मचारी नेता है जो खुलकर सड़क पर खड़े होकर इंजीनियर सुधीर नायक की कमियों को गिनाते हुए प्रत्येक कर्मचारी तक ले जाने का प्रयास करते रहे हैं। अब अगर कहा जाए फिर सुभाष वर्मा संजय राठौर शिवपाल सिंह और शेख मुजीब को छोड़ दें तो कोई ऐसा दमदार और कट्टर विरोधी नहीं है जो सुधीर नायक की खुलकर खिलाफत कर सके।

कर्मचारियों के बीच मुख्यमंत्री के नजदीक बनने की कोशिश कर रहे नायक : राठौर

जिस सरदार वल्लभभाई पटेल पैनल के तले अभी तक सुधीर नायक अपनी जीत का परचम लहराते आ रहे हैं उसके विरोधी नेताजी सुभाष चंद्र बोस पैनल ने घेराबंदी की कोशिश की है। सुभाष चंद्र बोस पैनल की ओर से संजय राठौड़ ने कहा है कि इंजीनियर सुधीर नायक कर्मचारियों के बीच मुख्यमंत्री के नजदीक बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर सुधीर नायक द्वारा मंत्रालय में जो सतर्कता केंद्र खुला जा रहा है। वह चुनाव की नजदीकी में कर्मचारियों को एक प्रकार से लुभाने का प्रयास है। राठौर का कहना है कि ऐसे में आगे अन्य कर्मचारी संगठन भी मंत्रालय में किसी ना किसी बहाने से यहां कक्ष या कार्यालय आवंटित करवाने की कोशिश करेंगे।

जो लोग आरोप लगा रहे हैं वह कांसेप्ट ही नहीं समझ पाए : नायक

इस संदर्भ में मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कहना है कि जो लोग इस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं। वह कोई कांसेप्ट ही नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा है कि मंत्रालय में जिस सतर्कता केंद्र का उद्घाटन मुख्यमंत्री करने जा रहे हैं। उसके पीछे सोच यही है कि लोग यहां आकर बीमारियों से अपना बचाव कर सकें। यहां विभिन्न योगिक क्रियाएं करने का सुझाव विशेषज्ञ देंगे। उन्हें बीमारियों से बचने के तरीके बताए जाएंगे। इसके लिए एलोपैथी होम्योपैथी आयुर्वेद और यूनानी विधाओं के अलग.अलग सेवानिवृत्त डॉक्टर बैठेंगे। यह रिटायर डॉक्टर निशुल्क अपनी सेवाएं देंगे। श्री नायक के अनुसार जहां तक विरोधी मुख्यमंत्री के नजदीक बने रहने के आरोप लगा रहे हैं तो इसमें गलत क्या है।

विरोधियों का काम विरोध करना है हमारा काम कर्मचारियों को न्याय दिलाना है: पटेल

मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल का कहना है कि विरोधियों का कार्य विरोध करना है। जबकि हमारा काम कर्मचारियों को न्याय दिलाना है। राजकुमार पटेल का कहना है कि मंत्रालय ने कोरोना संक्रमित की संख्या लगभग एक सैकड़ा तक पहुंच गई है। हमारे कुछ साथियों ने अपनी जान भी गवा दी है। राजकुमार पटेल का कहना है कि जब कोरोना अपने चरम पर था तब मंत्रालय कर्मचारी संघ ने इस बीमारी से बचाव के लिए मंत्रालय में लगातार संघर्ष किया है। स्वच्छता सैनिटाइजेशन सहित अनेक सुविधाओं की मांग के लिए राज्य सरकार से लड़ाई लड़ी है। कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आगे भी संगठन का यह क्रम जारी रहेगा।

बेटी नहीं, बिजली बचाने में जुटी है सरकार: पीसी शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। मंगलवार को जिला कांग्रेस ने नगर निगम मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री और स्थानीय विधायक पीसी शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार बेटी बचाने की जगह, बिजली बचाने में जुटी है। शहर की सड़कों पर अंधेरा पसरा है और आए दिन महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं हो रही हैं। प्रदर्शन खत्म होने के बाद शहर की समस्याओं से भरा ज्ञापन कांग्रेसियों ने नगरीय प्रशासन मंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा। इससे पहले कांग्रेस निगम के खिलाफ जमकर बरसे। अतिक्रमण कार्रवाई का विरोध करते हुए ठेकेदारों के रूके भुगतान के मामले भी उठाए। दरअसल शहर में बीते दिनों से अंधेरा पड़ा है। इसकी बजह नगर निगम ने स्ट्रीट लाईटों के बिल नहीं भरे हैं। करीब 70 करोड़ रूपए बिजली विभाग का निगम पर बकाया है। इसके विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस ने निगम मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि निगम की कमाई बढ़ने के बाद भी निगम पूरी तरह कंगाल हो गई है। इसकी जांच होना चाहिए। पूर्व मंत्री और स्थानीय विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि सरकार मूलभूत सुविधाओं को छोड़कर बिजली बचाने में व्यस्त है। अधिकारी जनता की नहीं सुन रहे, सब का रिकार्ड बनाया जा रहा है। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने कहा कि बीते 6 महीने से शहर में कोई नया काम नहीं हुआ, इसकी बजह ठेकेदार काम करने से मना कर रहे हैं। निगम ने लंबे समय से ठेकेदारों का भुगतान नहीं किया, इसलिए यह स्थिति बनी हुई है। जबकि महिला कांग्रेस की अध्यक्ष संतोष कंसाना ने आरोप लगाया कि निगम फुटपाथ पर अपना जीवन यापन करने वाले गरीबों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, गरीबों को विस्थान के नाम पर झुग्गियों से बेदखल कर दिया, लेकिन मकान नहीं दिए।

कांग्रेस ने निगम मुख्यालय के बाहर बिना अनुमति दिया धरना

टाइम पूछा, गाल पर उस्तरा मारा.. और मजदूर को लूट लिया

अशोका गार्डन इलाके में हुई वारदात, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल। राजधानी के अशोका गार्डन थाना इलाके में बीती रात दो बदमाशों ने फैक्ट्री जा रहे एक मजदूर को रोक लिया। आरोपियों ने फरियादी से पहले टाइम पूछा, पीड़ित ने मोबाइल से देखकर टाइम बताया, फिर अरोपियों ने मोबाइल को छीन लिया। इतना ही नहीं विरोध करने पर आरोपियों ने युवक के चेहरे पर ब्लेड मार दिया। इसके बाद में उसकी जेब में रखी साढ़े नौ सौ रूपए की नकदी भी छीन ली। इसके बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में मारपीट कर लूट करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फरियादी के बताए हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। हालांकि लुटेरों के संबंध में पुलिस फिलहाल कोई सुराग नहीं जुटा सकी है। पुलिस के मुताबिक सम्राट कॉलोनी निवासी श्यामराव पुत्र चमनलाल राव (28) औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एमपी कॉपर फैक्ट्री में काम करता है। बीती रात करीब सवा 12 बजे पैदल ड्यूटी पर जा रहा था। तभी रास्ते में उसे दो बदमाशों ने रोक लिया और टाइम पूछने लगे। उनकी बातों में आकर युवक ने अपने मोबाइल पर टाइम देखा और उन्हें बताया। इसी बीच बदमाशों ने उस्तरा निकाल लिया और उसके गाल पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं बदमाशों ने युवक का मोबाइल फोन और नकदी 950 रुपए निकाल लिए। इसी बीच युवक ने चिल्लाना शुरू कर दिया तो लोग अपने घर से बाहर आ गए तो बदमाश मौके से फरार हो गए। हमले में युवक को आसपास के लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल का इलाज कराने के बाद उसे डिस्चार्ज कराया और उसकी शिकायत पर मामला दर्ज किया। अब पुलिस हुलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों को दबोच लिया जाएगा। क्षेत्र के पुराने लुटेरों से पूछताछ की जा रही है। वारदात का संदेह चंबल में रहने वाले दो बदमाशों पर है।

एफआईआर दर्ज होते ही इंदौर भागा बलात्कार का आरोपी

भोपाल। युवती को ब्लैकमेल कर 6 माह तक दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस दो दिन बाद भी नहीं दबोच सकी है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण दर्ज होने की भनक लगते ही युवक फरार हो गया है। उसकी लोकेशन फिलहाल इंदौर में है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम इंदौर में डेरा डाले हुए है। लोकेशन के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अनुसार 23 वर्षीय युवती करोंद क्षेत्र में रहती है। उसके पिता का निधन हो चुका है। पिता के निधन के बाद वह पढ़ाई छोड़कर बीते कुछ महीने से निजी कंपनी में काम करने लगी थी। कोरोना संक्रमण काल में वह घर पर ही रहती थी। इसी बीच आसिफ नाम के युवक से युवती की पहचान हो गई।

प्रदेश में लगातार दबंगों द्वारा सरकारी तंत्र पर शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना का जुल्म

भोपाल। प्रदेश में सरकारी अधिकारी कर्मचारियों पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त दबंग लोगों का आतंक थम नहीं रहा है। आए दिन सरकारी तंत्र को शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। मंगलवार को इसी प्रकार का एक और मामला सतना जिले में सामने आया है। यहां पर एक इंजीनियर को जान से मारने की धमकी दी गई है। इसको लेकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अभियंता संघ ने मुख्यमंत्री को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। संगठन अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर ने बताया कि सतना जिले की जनपद पंचायत उचेहरा में पदस्थ उपयंत्री अनिल पटेल को मंगलवार के दिन उनके मोबाइल फोन पर काल आया जो कि टू कॉलर में सर्च करने के बाद आरोपी का नाम पप्पू पांडे गलेही सर्च हो रहा है। उसके द्वारा अनिल पटेल को मोबाइल में फोन लगाकर गाली गलौज एवं गोली मार देने की धमकी दी गयी। जिसको लेकर उचेहरा थाने में शिकायत की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उपयंत्री को मिली धमकी को लेकर मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास अभियंता संघ ने काफी आक्रोश व्यक्त किया है। संघ के जिले के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय मे सतना जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को अभियंताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर और आरोपी के खिलाफकार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। आरोप है कि आये दिन ग्रामीण विकास के अभियंताओं के साथ इस प्रकार के दुर्व्यवहार की शिकायतें मिलती रहती है एजिस कारण अभियंताओ को कार्यस्थल पर भी डर बना रहता है। मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास अभियंता संघ के प्रांत अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह तोमर एवं संघ के पदाधिकारियों द्वारा रोष व्यक्त किया गया कि अब अभियंताओ के ऊपर इस प्रकार की घटनाओं एवं संघ सदस्यो के प्रति दुर्व्यवहार को संघ बिल्कुल भी सहन नही करेगा। जिले के प्रशाशनिक अधिकारियों से संघ द्वारा अभियंताओ को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई है। जिले के अधिकारियों द्वारा यदि उचित कार्यवाही नही की जाती है तो संघ प्रान्त स्तर उच्च अधिकारियों के समक्ष पर ऐसे विषयों को दृढ़ता से रखेगा ।

अब इंजीनियर को धमकी, अभियंता संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर ने सीएम को लिखी चिट्ठी

बशीर बद्र को 47 साल बाद पीएचडी की डिग्री

भोपाल, (आरएनएन)। अजीम शायर बशीर बद्र ने डॉक्टरेट की उपाधि साल 1973 में ही प्राप्त कर ली थी लेकिन वह व्यक्तिगत तौर पर इसे लेने नहीं जा सके थे। अब अलीगढ़ मुस्लिम युनीवर्सिटी ने उन्हें उनकी डिग्री उनके घर भिजवा दी है। अंततः अब 47 साल बाद उनकी पीएचडी की डिग्री मिल गई है। अब आप सोच रहे होंगे कि उम्र के इस पड़ाव पर उन्हें कैसे और क्यों पीएचडी की डिग्री दी गई है। दरअसल बशीर बद्र साहब ने डॉक्टरेट की उपाधि साल 1973 में ही प्राप्त कर ली थी लेकिन वह व्यक्तिगत तौर पर इसे लेने नहीं जा सके थे। अब अलीगढ़ मुस्लिम युनीवर्सिटी ने उनकी डिग्री उनके घर भिजवा दी है। बहुत सरल भाषा में अपनी बात, अपने भाव और एहसास को आम आदमी तक पहुंचा देना बहुत बड़ी कला है और बशीर में ये प्रतिभा कूट-कूटकर भरी है। गजल को लोकप्रिय बनाने में बशीर का नाम अगली पंक्तियों में शुमार है। बशीर साहब की भाषा में वो रवानगी मिलती है जो बड़े-बड़े शायरों में नहीं मिलती।

सेवानिवृत्ति पर स्कूल प्राचार्य को दी भावभीनी विदाई

बैरसिया। राजधानी भोपाल के बैरसिया के शासकीय हाई स्कूल मजीदगढ़ मे पदस्थ प्राचार्य अवधेश कुमार शुक्ला पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी पूर्वक अपनी सेवाएं देते हुए 5 जनवरी मंगलवार को प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए।

इसी के तारतम्य में स्कूल के शिक्षकों ने प्राचार्य अवधेश शुक्ला को स्कूल के समस्त शिक्षकों ने साल श्रीफल से सम्मानित कर पुष्प माला पहनाकर भावभीनी विदाई दी एवं उनके काम करने की शैली को सराहा गया विदाई कार्यक्रम के दौरान शिक्षक राजेंद्र सक्सेना रणधीर मीणा अनीश खान सहित समस्त स्टाफगण मौजूद रहे।

बैरसिया में विद्युत सप्लाई रहेगी बंद

बैरसिया। विद्युत विभाग बैरसिया के कनिष्ठ यंत्री शिशिर शर्मा ने बताया कि दिनांक 6 जनवरी को बैरसिया विद्युत से 11 के व्ही बैरसिया टाउन एवं दाल मिल फीडरों का रख रखाव होने के कारण बुधवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तीन घंटे उक्त फीडरों का मेन्टेनेन्स कार्य होने के कारण बैरसिया उप केंद्र से निर्गमित उक्त फीडरों से सम्पूर्ण बैरसिया शहर में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

यूनियन प्रतिनिधियों की जरूरत खत्म होती जा रही है भेल में

प्रबंधन का आदेश ही सर्वोपरि होता है, 2021 में बीएचईएल के भोपाल कारखाने मे होने हैं यूनियन चुनाव, बुलेटिन जारी करने व ज्ञापन देने तक सीमित हुई भेल की तीनों यूनियन

भोपाल (एजेंसी)। बीएचईल कारखाना भोपाल में 2021 में यूनियन प्रतिनिधियों का चुनाव भी अपेक्षित है। हर पांच साल में कारखाने में यूनियन प्रतिनिधियों का चुनाव होता है और मई 2021 से चुनाव हुए पांच साल हो जाएंगे। ऐसे में इस वर्ष कर्मचारी प्रतिनिधियों का चुनाव होन की पूरी संभावना है, लेकिन दूसरी तरफ भेल के कर्मचारियों को आरोप है कि यूनियन प्रतिनिधियों का काम धीरे धीरे भेल से खत्म होता जा रहा है। अब प्रबंधन का आदेश ही सब कुछ हो गया है। कर्मचारी प्रतिनिधियों की प्रबंधन सुनता ही नहीं है। कर्मचारी प्रतिनिधि सिर्फ बुलेटिन निकालते हैं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की भोपाल इकाई कर्मचारियों की सुविधाओं में आए दिन कटौती करती आ रही है। भेल टाउनशिप में विकास व मरम्मत कार्य कराने के लिए बजट नहीं है। कोरोना काल में बजट की कमी के कारण प्रबंधन ने पहले कर्मचारियों के बच्चों की पढ़ाई में दी जाने वाली सब्सिडी लगभग खत्म कर दी है। वहीं कर्मचारियों को सर्दी के मौसम में दिए जाने वाले स्वेटर नहीं दिए जा रहे हैं। इस तरह एक-एक कर भेल कर्मचारियों की सुविधाओं में कटौती की जा रही है। इससे भेल प्रबंधन के खिलाफ कर्मचारियों का गुस्सा फूट रहा है।

भेल कर्मचारियों का कहना है कि तीनों प्रतिनिधि यूनियनें कर्मचारियों की हित की लड़ाई नहीं लड़ पा रही हैं। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक), भेल ऑल इंडिया एंप्लॉई यूनियन (एबु), भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) सिर्फ बुलेटिन जारी और ज्ञापन तक सिमट गए हैं। ये यूनियन कर्मचारियों की मांगों को लेकर भेल प्रबंधन के खिलाफ एकजुट होकर मोर्चा नहीं खोल पा रही हैं।

सुविधाओं में होती जा रही कटौती

हाल ही में इंटक ने बुलेटिन जारी करके भेल में अनुकंपा नियुक्ति फिर से शुरू करने, एक करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस का लाभ देने सहित अन्य मांगों को लेकर भेल प्रबंधन के समक्ष गुहार लगाई। वहीं एबु ने कुछ दिनों पहले भेल प्रबंधन के अधिकारियों को ज्ञापन देकर अनुकंपा नियुक्ति शुरू करने की मांग की। इससे पहले बीएमएस ने भी मिलकर कर्मचारियों के लिए की जा रही कटौती का विरोध किया। बता दें कि भेल भोपाल में 5500 कर्मचारी हैं। कोरोना काल में भेल को 1585 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इसकी भरपाई करने में भेल प्रबंधन लगा हुआ है, जिससे वह कर्मचारियों की सुविधाओं में कटौती कर रहा व टाउनशिप में मरम्मत कार्य कराने पर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे भेल कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब देखना होगा कि क्या कर्मचारी इन तीनों यूनियन प्रतिनिधियों को दोबारा से कारखाने में मौका देते हैं या फिर नई यूनियनों को अपना प्रतिनिधित्व सौंपते हैं।

चीन ने लद्दाख में बड़ी संख्या में तैनात किए टी–15 टैंक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच पिछले नौ माह से लद्दाख सीमा पर तनाव बना हुई है। चालबाज चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत जब ड्रैगन के दबाव में नहीं आया तो उसने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर टैंकों और अन्य हथियारों की बड़े पैमाने पर तैनाती शुरू कर दी है। इसे देखकर भारतीय सेना भी सतर्क हो गई है। उसने चीन की किसी भी नापाक हरकत का माकूल जवाब देने की पूरी तैयारी कर ली है।

दोनों देश सीमा विवाद को हल करने के लिए सैन्य और राजनयिक दोनो स्तरों पर बातचीत कर रहे हैं। इसके बाद भी इस मुद्दे पर अब तक कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हो सकी है। चीन इस मुद्दे पर एक कदम आगे बढ़ने का दावा करता है और फिर दो कदम पीछे हट जाता है। चीन ने सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) की शक्तियां बढ़ाने के लिए अपने राष्ट्रीय रक्षा कानून में एक जनवरी से बदलाव किया है। इस कमीशन के अध्यक्ष चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हैं। अब राष्ट्रीय हित देश में और विदेश में यह कमिशन सैन्य और नागरिक संसाधन जुटा सकेगा। अब सेना के लिए नीति बनाने में स्टेट काउंसिल की भूमिका कम हो जाएगी और सीएमसी के पास ज्यादा ताकत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति शी चिनपिंग के नेतृत्व में सेना अब और ताकतवर हो जाएगी। इस बीच, चीन ने एलएसी पर पूर्वी लद्धाक में भारतीय चौकियों के सामने अपने टैंक तैनात कर दिए हैं। एलएसी पर भारतीय टी-90 और चीनी टी-15 टैंक 200 मीटर की दूरी पर आमने-सामने खड़े हैं। ड्रैगन ने एलएसी के रेजांगला, रेचिन ला और मुखोसरी पर टी-15 टैंक तैनात किए हैं। चीन ने भारतीय चौकियों के सामने जो टैंक तैनात किए हैं, वे हल्के टैंक हैं। इस बीच, अमेरिका ने भारतीय नौसेना को चीन की एक और नापाक हरकत के बारे में सचेत किया है। उसने कहा है कि 12 चीनी जंगी जहाज अंडमान द्वीप की ओर बढ़ने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि चीन ने पूर्वी लद्दाख में सीमा टकराव के मद्देनजर रडार, सतह से हवा में और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें और अन्य हथियार बड़ी संख्या में बीते दिसंबर में ही तैनात कर दिए थे। इस बाद की पुष्टि भारतीय वायुसेना प्रमुख आर के एस भदौरिया ने दिसंबर में करते हुए चीन को चेतावनी दी थी कि दोनों देशों के बीच अगर सीधा टकराव होता है, तो यह चीन के लिए नुकसानदेह साबित होगा। चीन की किसी भी हिमाकत का जवाब देने के लिए भारत ने पूरी तैयारी कर रखी है। भारत ने बड़ी संख्या में टी-90 और टी-72 टैंक, तोपों, अन्य सैन्य वाहनों को विभिन्न संवेदनशील इलाकों में पहुंचा दिया है। यही नहीं, 16,000 फुट की ऊंचाई पर तैनात जवानों के लिए बड़ी मात्रा में कपड़े, टेंट, खाद्य सामग्री, संचार उपकरण, ईंधन, हीटर भी पहुंचाए जा चुके हैं। सेना ने पूर्वी लद्दाख में तीन अतिरिक्त सैन्य डिविजन की तैनाती की है।

महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी नई दिल्ली में मंगलवार को टॉयकाथॉन –2021 के शुभारंभ पर संबोधित करते हुए।

सचखंड वासी संत बाबा मोहन सिंह जी मतवाला की बरसी 17 जनवरी को

कालावाली, (पवन शर्मा)। क्षेत्र के गांव तिलोकेवाला में सचखंड वासी संत बाबा मोहन सिंह जी मतवाला की पवित्र याद में 29 वीं बरसी 17 जनवरी को धूमधाम से मनाई जा रही है गुरद्वारा निर्मलसर साहिब के मुख्य सेवादार जोकि पिछले काफी समय से टिकरी बॉर्डर पर किसानों के समर्थन में जथा लेकर डटे हुए हैं दिल्ली बॉर्डर से प्रेस नोट जारी करते हुए बाबा गुरमीत सिंह जी ने बताया के जो 16 दिसंबर से चल रही श्री अखंड पाठ साहिब की लड़ी के भोग सातारा जनवरी दिन रविवार को डाले जाएंगे और महावन कीर्तन समागम होगा इस मौके पर समागम में सभी संप्रदायों के महापुरुष कथावाचक और इस इलाके के संत महापुरुष तथा ग्रंथि सेहवान सभी जत्थेबंदियों के साथ रागी ढाडी भी पहुंचेंगे और उन्होंने बताया कि इस बार किसान संघर्ष की चढ़दी कला के लिए और सरबत के भले के लिए अरदास की जाएगी

शिक्षकों की समस्याओं का होगा समाधान

दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षकों में पिछले साल जुलाई से वेतन न मिलने के कारण भारी असंतोष है , ऐसे में शिक्षकों के मन मे चल रहे अनेकों प्रश्नों को रखने के लिए दिल्ली अध्यापक परिषद द्वारा महापौर उत्तरी दिल्ली नगर निगम के साथ मीटिंग ली गई । मीटिंग में परिषद के संरक्षक जयभगवान गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा वार्ता की । मीटिंग में परिषद से अध्यक्ष वेद प्रकाश, महामंत्री राजेन्द्र गोयल, सचिव दीपक गोस्वामी, कुलदीप कादयान द्वारा शिक्षकों में गहराते असंतोष के बारे में अवगत कराया गया ।

परिषद द्वारा जोर देकर कहा गया कि शिक्षकों के मन मे आक्रोश और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। कोरोना काल में ऑनलाइन टीचिंग के अपने काम को करते हुए भी , आम नागरिकों को राशन बांटने , कोरोना सर्वे , रेलवे स्टेशन से लेकर बस अड्डों तक अन्य जिम्मेदारियों को भी निगम शिक्षकों ने निभाया है । सब काम करते हुए भी अपने ही घर का खर्च चलाने की चिंता भी शिक्षक करे यह अमानवीय है।

वेतन से एक शिक्षक अपने बच्चों के स्कूल की फीस देता है , घर के जरूरी बिलों और घर के महीने के राशन का भुगतान करता है। बीमारी में परिवार के इलाज का खर्च भी वेतन से ही चलता है। समय पर पेंशन का भुगतान एक बुजुर्ग रिटायर्ड कर्मचारी के बुढ़ापे की लाठी है । परिषद द्वारा इस बात पर जोर दिया गया कि वेतन / पेंशन के भुगतान के मुद्दे को एक डिमांड की तरह देखने के स्थान पर, संवेदनशीलता के साथ मानवीय सरोकारों के साथ देखने और समाधान करने की जरूरत है ।

इसके अलावा शिक्षकों को उनके व्यक्तिगत मोबाइल फोन से अटेंडेंस लगाने की प्रशासनिक सख्ती की ओर भी महापौर का ध्यान दिलाया गया । महीनों से बिना वेतन के काम कर रहे शिक्षक को दस से पंद्रह हजार के मोबाइल खरीदने को मजबूर करने का यह आदेश गलत है । महापौर जयप्रकाश ने मामले पर ठोस निर्णय लेने का भरोसा दिलाया।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर ने विस्तार से तथ्यों के साथ अपना पक्ष रखा, उन्हीने बताया कि कोरोना संकट के कारण निगम की अपनी आय में भारी कमी आयी है जैसे निगम को कन्वर्जन चार्ज से अभी तक 140 करोड़ रुपये की जगह केवल 10 करोड़ रुपये ही मिल पाए। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए और अधिक गभीर प्रयासों का आश्वासन दिया । उन्होंने बताया कि निगम अपनी आय बढ़ाने की कोशिशों के साथ साथ , दिल्ली सरकार से अपने बकाए की वसूली के लिए भी आंदोलन कर रहें है । उन्होंने भविष्य में ठोस राहत मिलने की आशा जताई । उन्होंने बताया कि शिक्षकों को प्रशासनिक राहत मिले इसके लिए उन्होंने शिक्षकों की पेंडिंग एम.ए. सी. पी. जैसी अन्य परेशानियों को दूर करने के लिए प्रयास शुरू किए है।

कांग्रेस नेता शशि थरूर, हमारे प्यार और लैंगिगता को कीमत में न तौलें : कंगना

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलिवुड अभिनेत्री कंगना रनौत पिछले काफी दिनों से अपनी फिल्मों के बजाय अपने बयानों को लेकर ज्यादा सुर्खियों में बनी हुई हैं। कंगना जब से सोशल मीडिया पर आई हैं, तभी से वह काफी सक्रिय होकर लगातार विरोधियों पर अपने ट्वीट्स के जरिए निशाना साध रही हैं। इस कड़ी में कंगना रनौत कांग्रेस नेता शशि थरूर पर बिफर गई हैं। दरअसल शशि थरूर ने नेता और अभिनेता कमल हासन के बयान की तारीफ की है, इसमें उन्होंने घर के काम को सैलरीड प्रोफेशन बनाने की वकालत की है। शशि थरूर ने ट्वीट में लिखा, मैं कमल हासन के उस आइडिया का स्वागत करता हूं, जिसमें उन्होंने कहा है कि घर के काम को सैलरीड प्रोफेशन का दर्जा देकर राज्य सरकारों को इसके लिए घर का काम करने वाली महिलाओं को मासिक भत्ता देना चाहिए। इसके जरिए समाज में घर में काम करने वाली महिलाओं को पहचान और उनकी सेवाओं का मुद्रीकरण होगा, जिससे उनकी शक्ति, स्वायत्ता में वृद्धि होगी और यूनिवर्सल बेसिक इनकम के नजदीक पहुंचने में मदद मिलेगी। मगर लगता है कि कंगना को कमल हासन और शशि थरूर के विचार कुछ समझ में नहीं आए। कंगना ने इसके जवाब में लिखा, हमारे प्यार और लैंगिगता को कीमत में न तौलें। अपनों का ख्याल रखने के लिए हमें भुगतान मत कीजिए। हमें अपनी छोटी सी दुनिया अपने घर की रानी बनने के लिए सैलरी की जरूरत नहीं है, सभी चीजों को व्यापार की तरह देखना बंद करें। अपनी महिला के लिए पूरी तरह समर्पित हों क्योंकि उसे पूरी तरह आपकी जरूरत है केवल आपके प्यार, सम्मान या सैलरी की नहीं।

योगी का कड़ा रुख अधिकारी निलंबित

गाजियाबाद, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद के मुरादनगर में श्मशान घाट की छत गिरने के मामले को गंभीरता से लिया है। उनके निर्देश पर मुरादनगर नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्हें हटाया भी जा सकता है। उनके निर्देश पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को विशेष विमान से मौके पर भेजा गया। वित्त मंत्री वहां से लौटकर वस्तुस्थिति की जानकारी मुख्यमंत्री को देंगे। मुख्यमंत्री श्मशान घाट की छत गिरने से 24 लोगों की मौत की घटना पर अफसरों से बेहद नाराज हैं। उन्होंने घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। मेरठ के मंडलायुक्त और गाजियाबाद के डीएम समेत कई बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई की गाज गिर सकती है। मुख्यमंत्री ने दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घटना को अफसरों की गंभीर लापरवाही का नतीजा करार देते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी के लहजे में कहा है कि इस तरह की घटनाओं के लिए जिम्मेदार अफसरों के लिए शासन में कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में गाजियाबाद के जिलाधिकारी और मेरठ की मंडलायुक्त समेत अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच के संकेत भी दिए हैं। प्रमुख सचिव नगर विकास दीपक कुमार के मुताबिक मुरादानगर की अधिशसी अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। रिटायर अवर अभियंता चंद्रपाल सिंह के खिलाफ भी कार्रवाई के लिए कहा गया है। प्रमुख सचिव नगर विकास के मुताबिक पूरे घटना की जांच विभागीय स्तर पर शुरू करा दी गई है। उन्होंने कहा है कि इसके लिए जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्वाई की जाएगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि 14वें वित्त आयोग से श्मशान की छत बनाने के लिए दिए गए पैसों का कितना उपयोग हुआ है। नगर विकास विभाग ने मुरादनगर शमशान घाट के शेड की गुणवत्ता की जांच करने वाले लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों पर भी कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। कहा है कि श्मशान घट छत निर्माण की थर्ड पार्टी जांच लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता और अवर अभियंता द्वारा की गई थी। गलत रिपोर्ट देने के कारण उनके खिलाफ भी कार्रवाई के लिए पत्र में कहा गया है। यह पत्र प्रमुख सचिव लोक निर्माण को भेजा गया है।

इंग्लैंड से बिहार लौटे 97 लोगों में से 50 की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव

पटना, (एजेंसी)। इंग्लैंड से पटना आए सात और लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। रविवार को कुल 14 लोगों की रिपोर्ट को दोबारा जांच के लिए रोका गया था। जिसमें से सात लोगों की रिपोर्ट आ गई है। वे सभी नेगेटिव हैं। बाकी सात की रिपोर्ट मंगलवार को आएगी। सिविल सर्जन डॉ विभा कुमारी सिंह ने बताया कि अब तक कुल 50 लोगों की जांच रिपोर्ट आ गई है। किसी में भी कोरोना के नए स्ट्रेन की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि पटना आए 91 लोगों में से 57 लोगों का सैंपल जांच के लिए आरएमआरआई में भेजा गया था। अब तक 50 लोगों की रिपोर्ट आ गई है। बाकी लोग या तो नहीं मिले हैं अथवा शहर से बाहर गए हैं। उनकी खोज के लिए पटना एसएसपी को सूची सौंपी गई है इससे पहले पटना में 143 नए कोरोना संक्रमित मिले। वहीं इलाज दौरान कोरोना से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि मृतकों में पांच पटना के थे। इनमें नॉर्थ एसके पुरी की शशि सिन्हा, एसके पुरी के अविनाश चंद्र, मिथिला कॉलोनी के सुरेश मिश्रा, डॉक्टर्स कॉलोनी की किरण सिन्हा, नौबतपुर के कृष्णा चौधरी, बेगूसराय की फरीदा खातून और दरभंगा के छोटे ठाकुर शामिल हैं। सभी की मौत इलाज के दौरान एम्स में हुई। पटना में अब कुल संक्रमितों की संख्या 49605 हो गई है। अब तक 47467 लोग स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 1756 एक्टिव संक्रमित हैं। पीएमसीएच में सोमवार को 1239 लोगों की कोरोना जांच हुई। इनमें मात्र दो संक्रमित मिले। दोनों पटना के हैं।

इस साल दुनिया में बढ़ सकते हैं टीबी के 10 लाख मामले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कोरोना के मामले घट रहे हैं और वैक्सीन को भी मंजूरी मिल गई है। हम भले ही कोरोना वायरस को मात देने के कगार पर पहुंच गए हैं, लेकिन इस महामारी ने हमारे जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। देश में कई बीमारियों के खिलाफ जारी लड़ाई पर भी इसका असर हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वरिष्ठ वैज्ञानिक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक डॉ सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि 2025 तक भारत में जीवाणु संक्रमण को खत्म करने के अपने लक्ष्य को खोने के साथ दुनिया भर में तपेदिक (टीबी) के दस लाख मामलों की वृद्धि हो सकती है।

टीबी दुनिया भर में हर साल लगभग एक करोड़ लोगों को प्रभावित करता है। करीब 14 लाख लोगों की तो इससे मौत हो जती है। डॉ स्वामीनाथन ने हाल ही में संपन्न भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के दौरान कहा इस महामारी ने टीबी प्रोगाम को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किया है। जेनेक्स पर्ट मशीन (जिसे आरटी पीसीआर परीक्षण करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है) और मेडिकल स्टाफ को कोरोना प्रबंधन में लगाया जा रहा है। लॉकडाउन और अन्य प्रतिबंधों से जीडीपी में गिरावट आई, जिसका असर पोषण पर भी पड़ सकता है। इस कारण एक साल में टीबी के के करीब मरीजों की संख्या में दस लाख का इजाफा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि टीबी अधिसूचना में महामारी के दौरान 50 से 60 फीसदी तक गिरावट देखी गई है, जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में मामला बढ़ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में 2019 में टीबी के 26 लाख 90 हजार मामले साएने आए थे। यह वैश्विक आंकड़े का करीब 26 फीसदी है। भारत ने 2025 तक प्रति 1,00,000 लोगों पर एक से कम टीबी मामलों का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा महामारी ने निश्चित रूप से 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लिए भारत के लक्ष्य को प्रभावित किया है।

महामारी ने कई सबक दिए हैं। साथ ही प्राइवेट सेक्टर से सहयोग मिला है। इससे देश से जीवाणु संक्रमण को खत्म करने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करने के लिए समाधान खोजने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा, कोरोना की चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुत सारे रास्ते खोजे गए। इनमें से कुछ का उपयोग टीबी के लिए किया जा सकता है। टेस्टिंग को बढ़ाने के साथ-साथ सोशल डिस्टेंसिंग के पालन और टीका परीक्षण के लिए केंद्रों का निर्माण। प्राइवेट सेक्टर भी इस क्षेत्र में आगे आए हैं। ये सभी टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को पटरी पर लाने में भारत की मदद कर सकते हैं।

शिमला। पुलिस महानिदेशक ने राज्यपाल से भेंट की।

गाजियाबाद हादसे के मुख्य आरोपी ठेकेदार अजय त्यागी गिरफ्तार

गाजियाबाद , (एजेंसी)। गाजियाबाद के मुरादनगर श्मशान हादसे के मुख्य आरोपी ठेकेदार अजय त्यागी को भी सोमवार की शाम गिरफ्तार कर लिया गया। अजय त्यागी की गिरफ्तारी के लिए सोमवार दोपहर ही 25 हजार का इनाम घोषित करते हुए पांच टीमों को लगाया गया था। पुलिस के अनुसार अजय को गाजियाबाद के बाहर से गिरफ्तार किया गया है। उसे देर रात तक पुलिस टीम गाजियाबाद लेकर आएगी। मंगलवार को उसे अदालत में पेश किया जा सकता है। दर्दनाक हादसे के बाद से ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी फास्ट हो गए थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी अधिकारियों को तत्काल दोषियों की गिरफ्तारी का निर्देश देते हुए अन्य कार्रवाई में तेजी का निर्देश दिया था। हादसे के कुछ घंटे बाद ही नगर पालिका मुरादनगर की ईओ निहारिका सिंह, जेई चंद्रपाल, सुपरवाइजर आशीष और ठेकेदार अजय त्यागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। ठेकेदार को छोड़कर बाकि तीनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया था। फरार ठेकेदार अजय त्यागी के खिलाफ एसएसपी कलानिधि नैथानी ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था। आरोपी की तलाश में पांच टीमें लगा दी गई थी। इनमें एक टीम मुरादनगर कोतवाल अमित कुमार के नेतृत्व में रविवार से ही काम कर रही थी। चार स्पेशल टीमों को और लगा दिया गया है। इसमें एसएसपी की क्राइम टीम, एसपी सिटी और एसपीआरए के क्राइम टीम के अलावा सर्विलांस टीम शामिल थी। सोमवार की देर रात एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि पुलिस की स्पेशल टीम ने ठेकेदार अजय त्यागी को गैर जनपद से गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी को लेकर देर रात तक गाजियाबाद पहुंचेगी। आरोपी को मंगलवार को गाजियाबाद की अदालत में पेश किया जाएगा। सुबह मुरादनगर के बंबा रोड स्थित श्मशान में बना नवनिर्मित बरामदा पहली बरसात में ही धराशायी हो गया था। हादसे के वक्त बरामदे में करीब 60 लोग मौजूद थे। इस हादसे में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब इतने ही लोग घायल हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी समय ईओ, जेई और सुपरवाइजर को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी और सोमवार की सुबह करीब चार बजे इन्हें गिरफ्तार कर लिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी समेत तीनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में 16 जनवरी तक जेल भेजने के आदेश दिया। मुरादनगर नगर पालिका की अधिशासी अधिकाशी निहारिका सिंह को अदालत में पेश करने के वक्त उनके अधिवक्ता ने गिरफ्तार पर सवाल उठाए। सिसौदिया ने अदालत से कहा कि रातोंरात पालिक ा प्रमुख अधिकारी निहारिका सिंह की गिरफ्तारी किस आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मुकदमा के चंद घंटों बाद ही रातोंरात लापरवाही या भ्रष्टाचार का कौन सा साक्ष्य जुटा लिए इसके आधार पर बिना किसी जांच के अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके जवाब में पुलिस की ओर से अभियोजन अधिकारी ने दलील दी कि उक्त अधिकारी नगर पालिकी की प्रभारी है। उनके हस्ताक्षर से श्मशान के लेंटर का टेंडर स्वीकृत गया है। इसी आधार पर उन्हें आरोपी माना गया। इस पर अधिवक्ता ने कहा कि अधिशासी अधिकारी के हस्ताक्षर हुए हैं। लेकिन उनकी जिम्मेदारी मौके पर जाकर निर्माण कार्य कराना नहीं है। इसकी जांच होने के बाद ही किसी को आरोपी बनाना चाहिए था इन दलीलों के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने महिला आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को मिली नया प्रोजेक्ट 'बुलबुल तरंग', पिछली कई फिल्में हुई फ्लॉप

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा निर्देशक श्री नारायण सिंह की फिल्म में मुख्य किरदार अदा करने जा रही हैं जिसका अंतरिम नाम 'बुलबुल तरंग' रखा गया है। सिंह की पुरानी फिल्मों 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा', बट्टी गुल मीटर चालू (2018) की तरह यह फिल्म भी सच्ची घटना से प्रेरित होगी।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा निर्देशक श्री नारायण सिंह की फिल्म में मुख्य किरदार अदा करने जा रही हैं जिसका अंतरिम नाम 'बुलबुल तरंग' रखा गया है। सिंह की पुरानी फिल्मों 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा', बट्टी गुल मीटर चालू (2018) की तरह यह फिल्म भी सच्ची घटना से प्रेरित होगी। फिल्म की टीम से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई-से कहा, '' फिल्म में सोनाक्षी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें राज बब्बर भी हैं।

ताहिर राज भसीन भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। यह भारत की सामाजिक पृष्ठभूमि वाली फिल्म होगी और पुराने जमाने के रीति-रिवाज के बारे में होगी।'' पहली बार सिंह और सोनाक्षी साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग मार्च-अप्रैल में शुरू होगी। सोनाक्षी' भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया' फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस फिल्म में अजय देवगन भी हैं और यह डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

एक्शन-थ्रिलर सीरिज के साथ डिजिटल दुनिया में एंट्री करेंगे निर्देशक रोहित शेट्टी

एक्शन से भरी फिल्में निर्देशन रोहित शेट्टी की पहचान हैं और अब वे ऐसी ही एक वेब सीरिज के साथ डिजिटल दुनिया में प्रवेश करने को तैयार हैं। दिग्गज स्टंटमैन एम बी शेट्टी के बेटे रोहित 'सिंघम','सिंबा', 'गोलमाल', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'आल द बेस्ट' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं।

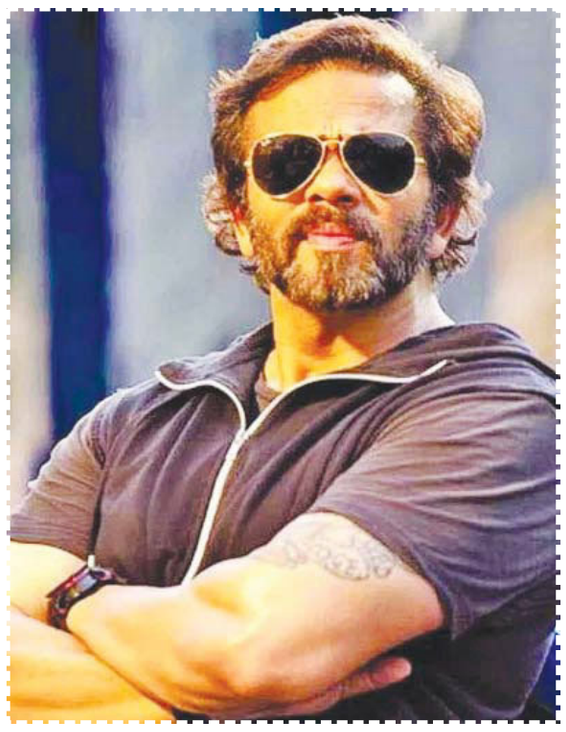

एक्शन से भरी फिल्में निर्देशन रोहित शेट्टी की पहचान हैं और अब वे ऐसी ही एक वेब सीरिज के साथ डिजिटल दुनिया में प्रवेश करने को तैयार हैं। दिग्गज स्टंटमैन एम बी शेट्टी के बेटे रोहित 'सिंघम','सिंबा', 'गोलमाल', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'आल द बेस्ट' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। शेट्टी एक्शन-एडवेंचर शो "फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी" केसाथ टीवी जगत में भी प्रवेश कर चुके हैं।

फिल्म की टीम के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई-को बताया,"रोहित आठ एपिसोड की एक्शन थ्रिलर वेब सीरिज बनाने वाले हैं। यह सत्य घटनाओं से प्रेरित होगी।" सीरिज के शीर्षक को लेकर अब तक कोई खुलासा नहीं किया गया है।

रोहित फिलहाल अपनी फिल्म 'सर्कस' को लेकर व्यस्त हैं जिसमें वे अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक "द कॉमेडी ऑफ एरर्स" पर आधारित है।

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने फैंस को किया न्यू ईयर विश, किया ये बड़ा ऐलान

सुपरस्टार शाहरुख खान ने भले ही अपनी अगली फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन शनिवार को अभिनेता ने अपने प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि वे उन्हें इस साल बड़े पर्दे पर देखेंगे। अपने प्रशंसकों को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए, 55 वर्षीय अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तीन मिनट से अधिक का एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि वह सिनेमा हॉल में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हैं। शाहरुख आखिरी बार 2018 में आई फिल्म जीरो में दिखे थे।

उन्होंने कहा, मैं आप सभी को देर से अपनी शुभकामनाएं दे रहा हूं और मुझे लगता है कि हर कोई इस बात से सहमत होगा कि 2020 हर किसी के लिए सबसे खराब साल रहा। और इस भयानक समय में आशा की किरण, सकारात्मकता ढूंढना मुश्किल है। लेकिन इन खराब, मुश्किल दिनों, भयानक वर्षों को देखते हुए इससे पार पाने के लिए मेरे पास एक रास्ता है।'' उन्होंने कहा, मेरा मानना ? ?है कि जब कोई अपने जीवन के सबसे निचले हिस्से में होता है, तो अच्छी बात यह है कि यहाँ से आगे बढ़ने का केवल एक ही रास्ता है, ... ऊपर... और बेहतर जगह।

अभिनेता ने सभी के लिए एक बेहतर और शानदार वर्ष की कामना की। शाहरुख ने पिछले साल नवंबर में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू की, जिसका निर्देशन वॉर के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म का शीर्षक पठान है। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स कर रहा है। खान ने अपने संदेश में कहा, आप सभी 2021 में मुझे बड़े पर्दे पर देखेंगे।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर जागरुकता फैलाएंगी मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड 2017 प्रतियोगिता की विजेता मानुषी छिल्लर को महिलाओं के खिलाफ लिंग आधारित हिंसा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 'ऑरेंज द वर्ल्ड' नामक वैश्विक पहल में शामिल किया है। 23 वर्षीय मॉडल-अभिनेत्री ने कहा कि महिलाएं हर कहीं अलग-अलग तरह से हिंसा का शिकार होती हैं और यह देखकर उन्हें बहुत दुःख होता है। छिल्लर ने एक बयान में कहा कि सभी आयु वर्ग की महिलाओं को खतरा है और एक महिला होते हुए इस बात का एहसास पीड़ादायी होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हिंसा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और अन्य महिलाओं को भी यह करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए। अभिनेत्री का मानना है, ''कोविड-19 महामारी के दौरान, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले बढ़ गए हैं।

घरेलू हिंसा के मामले बढ़े हैं। लेकिन जैसा कि हम कोविड-19 से उबरने की दिशा में काम कर रहे हैं वैसे ही हमें एक ऐसी दुनिया के पुनर्निर्माण की दिशा में भी सक्रिय रूप से काम करने की जरूरत है जो महिलाओं के लिए सुरक्षित हो। छिल्लर यश राज फिल्म्स की इतिहास पर आधारित फिल्म ''पृथ्वीराज'' में अक्षय कुमार के साथ काम करेंगी और फिल्मों में पदार्पण कर रही हैं। चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित यह फिल्म सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। कुमार इसमें चौहान का किरदार निभाएंगे, जबकि मानुषी संयोगिता की भूमिका में नजर आएंगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट तय कार्यक्रम के अनुसार होगा : सीए

मेलबोर्न, (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि भारतीय टीम के साथ सीरीज तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। बीसीसीआई के अनुसार चौथा टेस्ट ब्रिसबेन में ही होगा। सीए ने यह भी कहा कि भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक ब्रिसबेन में मैच नहीं खेलने की बात नहीं की है न ही मैच कहीं अन्य आयोजित करने का कोई औपचारिक अनुरोध किया है। भारतीय टीम के चौथे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन नहीं जाने की खबरों के बीच ही सीए ने यह बात कही। सीए ने कहा कि वह बीसीसीआई के संपर्क में है और यह सीरीज अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। वहीं इससे पहले ऐसी खबरें आयी थी कि भारतीय टीम कड़े प्रतिबंधों के कारण ब्रिस्बेन नहीं जाएगी और ऐसी स्थिति में सिडनी में ही आखिरी टेस्ट खेलना चाहेगी। ब्रिस्बेन में सात जनवरी से तीसरा टेस्ट होना है जबकि चौथा और आखिरी टेस्ट ब्रिस्बेन में 15 जनवरी से खेला जाना है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने भी सिडनी में दो मैच होने की संभावना को खारिज करते हुए कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम एक ही मैदान पर लगातार मैच खेलने के पक्ष में नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने भी कहा है कि टीम सिडनी के बाद चौथा टेस्ट खेलने ब्रिस्बेन जाएगी।

वहीं दूसरी ओर भारतीय मीडिया इस मामले को ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मनोवैज्ञानिक दबाव बता रहा है। इस विवाद के भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पड़ने की अटकलों के बीच ही सीए के मुख्य कार्यकारी निक होक्ली ने कहा, बीसीसीआई ने क्विंसलैंड के क्वारेंटीन नियमों का पूरा समर्थन किया है। हम रोज बीसीसीआई से बात करते हैं। हम बीसीसीआई की किसी भी सलाह के लिए तैयार हैं। दोनों टीम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेलना चाहती हैं। इससे पहले सिडनी जाने से पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के कोरोना टेस्ट नेगेटिव आए थे।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 7 जनवरी से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस में जुटी भारतीय टीम।

असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, शिलांग पूर्वोत्तर क्षेत्र का पहला खेलो इंडिया स्पोर्ट्स स्कूल बना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने शिलांग में असम राइफल्स पब्लिक स्कूल (एआरपीएस) काएक खेलो इंडिया स्पोर्ट्स स्कूल के रूप में शुभारंभ किया। वर्तमान में, देश भर में नौ(9) स्पोर्ट्स स्कूलों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से पांच(5) का प्रबंधन रक्षा एवं अर्ध-सैनिक बलों द्वारा किया जाता है।असम राइफल्स पब्लिक स्कूल पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलो इंडिया योजना के तहत घोषित होने वाला पहला स्पोर्ट्स स्कूल है। अब सरकार इस स्कूल के खेल से जुड़े प्रतिभाशाली छात्रों के रहने, खाने, शिक्षा खर्च, प्रतियोगिताओं में भागीदारी, बीमा एवं चिकित्सा, खेल संबंधी प्रशिक्षण एवं सहायता, प्रशिक्षकों एवं सहायक कर्मचारियों के वेतन, खेल उपकरण और अन्य संबद्ध कार्यों का खर्च वहन करेगी। खेलो इंडिया स्पोर्ट्स स्कूल का उद्देश्य शिक्षा के साथ खेल का समन्वय करना है और इस प्रक्रिया में देश में खेलों काविकास करना और एथलीटों के प्रदर्शनएवं दृष्टिकोण में समग्र सुधार करना है। यह स्कूल पूर्वोत्तर, ग्रामीण या जनजातीय क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान और उनके उत्थान में भी मददगार साबित होगा। रिजिजू ने कहा, यह असम राइफल्स पब्लिक स्कूल की एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरूआत है और यह खेलो इंडिया स्पोर्ट्स सेंटर युवा लड़कों और लड़कियों की प्रतिभा को निखारेगा, जो आगे चलकर ओलंपिक में पदक लाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने इस स्कूल में कई सकारात्मक बदलाव लाने के लिए असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुखदीप सांगवान के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, खेल हमेशा से इस स्कूल का एक अभिन्न हिस्सा रहा है और यह भविष्य के विजेताओं को तैयार करेगा। मुझे पिछले कई वर्षों में विभिन्न पहलों के जरिए इस स्कूल में जबरदस्त बदलाव लाने में लेफ्टिनेंट जनरल सुखदीप सांगवान के प्रयासों को अवश्य स्वीकार करना चाहिए।

इस स्कूल की उपलब्धियों में यह स्पोर्ट्स स्कूल एक अतिरिक्त ताज की तरह होगा और यह भारत को एक महत्वपूर्ण खेल शक्ति बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में बेहद सहायक साबित होगा। शिक्षा एवं खेल में एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड रखने, खाने और ठहरने (छात्रावास) की पर्याप्त सुविधाओं से लैस होने, खेल से जुड़ी सुविधाओं को विकसित करने के लिए पर्याप्त स्थान और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के बीच एक अंतर-मंत्रालयी साझेदारी के तहत ओलंपिक खेलों के विकास के प्रति झुकाव के कारण असम राइफल्स पब्लिक स्कूल को एक खेलो इंडिया स्पोर्ट्स स्कूल के रूप में नामित किया गया। इस स्कूल के लिए निर्धारित किए गए विषयों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स और तलवारबाजी है, जिनमें प्रथम वर्ष के लिए कुल 100 एथलीटों को (लड़कों और लड़कियों को बराबर अनुपात में) शामिल किया जायेगा।

एआईटीए के जूनियर टेनिस शिविर में 21 खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) का जूनियर टेनिस शिविर शुरू हो गया है। एआईटीए अध्यक्ष अनिल जैन ने यहां आर के खन्ना टेनिस स्टेडियम में जूनियर लड़कों के लिए आयोजित इस हाई परफोर्मेंस प्रशिक्षण शिविर को हरी झंडी दिखाई। इस तीन दिवसीय शिविर में एआईटीए रैंकिंग वाले कुल 21 जूनियर खिलाड़ी शामिल हुए हैं। बुधवार तक चलने वाले इस शिविर में खिलाड़ी टेनिस कौशल सीखने के साथ मानसिक और शारीरिक अनुकूलन से गुजरेंगे। इस शिविर की अध्यक्षता राष्ट्रीय कोच जीशान अली कर रहे हैं, जिन्हें पूर्व खिलाड़ियों आशुतोष सिंह और सौरभ सिंह द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। एआईटीए रिटर्न टू टेनिस (टेनिस की वापसी) जैसी परियोजना से टेनिस को वापस लाने की कोशिश कर रहा है जिसमें जूनियर सर्किट में शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों के लिए हाई परफोर्मेंस प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। इस कार्यक्रम में एआईटीए के उपाध्यक्ष अनिल खन्ना और दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) के अध्यक्ष रोहित राजपाल भी मौजूद थे।

ओलंपिक से पहले ठोस फैसले लेगा जापान : योहिहिदे

टोक्यो, (एजेंसी)। आगामी टोक्यो ओलंपिक खेलों के शुरू होने में अब 200 से कम दिन बचे हैं। ऐसे में इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। जापानी प्रधानमंत्री योहिहिदे सुगा ने कहा कि वह कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामले सामने आने के बाद आपातकाल की स्थिति पर भी विचार कर रहे हैं। उनके अनुसार ओलंपिक के आयोजकों, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और जापानी सरकार के विभिन्न विभागों के लिये अब ठोस फैसले करने का समय करीब आ गया है। अधिकारियों ने वादा किया था कि वे ओलंपिक और परालंपिक में भाग लेने वाले 15,000 खिलाड़ियों के जापान पहुंचने, खेल गांव तथा लाखों प्रशंसकों, मीडिया, जजों, अधिकारियों, प्रशंसकों और अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा को लेकर ठोस योजना घोषित करेंगे। अब नया साल भी शुरू हो चुका है। सुगा ने फिर से ओलंपिक आयोजन का वादा करते हुए कहा कि यह इस बात का प्रमाण होगा कि लोग कोरोना वायरस से उबर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि टीके को जल्द ही मंजूरी दी जाएगी ताकि टीकाकरण का काम मार्च के बजाय फरवरी से शुरू हो सके। जापान में कोविड-19 के कारण 3400 लोगों की जानें गयी लेकिन नये मामलों में तेजी से बढ़ोतरी चिंता का विषय है। पिछले महीने राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने एक सर्वे कराया था जिसमें 63 फीसदी लोगों ने ओलंपिक को स्थगित या रद्द करने के पक्ष में राय दी थी। टोक्यो ओलंपिक का आधिकारिक बजट पिछले महीने 15.4 अरब डॉलर आंका गया। इसमें आयोजन में देरी के कारण 2.8 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि पिछले साल सरकारी अनुमान लगाया गया था कि ओलंपिक खेलों का बजट लगभग 25 अरब डॉलर तक जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने संकेत दिये हैं कि 23 जुलाई को होने वाले उदघाटन समारोह में परेशानी हो सकती है क्योंकि हजारों खिलाड़ियों और अधिकारियों को स्टेडियम और उसके आसपास जमा होना है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि समारोह को छोटा भी नहीं किया जा सकता है क्योंकि टेलीविजन प्रसारकों ने पहले ही इसके लिये भुगतान कर दिया है।

क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शतक लगाने के बाद हैनरी निकोलस को बधाई देते केन विलियम्सन।

तीसरे टेस्ट खेलेंगे वॉर्नर, पुकोव्स्की करेंगे डेब्यू : लैंगर

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर एक फाइटर हैं और वह भारतीय टीम के साथ गुरुवार से होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। इसके साथ ही लैंगर ने कहा कि युवा बल्लेबाज विल पुकोव्स्की भी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। लैंगर ने कहा कि वॉर्नर ने फिटनेस हासिल करने के लिए पूरा प्रयास किया है। ऐसे में वह भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में खेल सकते हैं।

वॉर्नर और पुकोव्स्की दोनो ही पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाए थे। वॉर्नर ग्रोइन इंजरी से परेशान थे, जबकि पुकोव्स्की सिर में लगी हल्की चोट के कारण डेब्यू नहीं कर पाये थे। लैंगर ने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि डेविड (वॉर्नर) तीसरे टेस्ट मैच के लिए तैयार रहेगा। वह फाइटर है। मैं पहले दिन से कह रहा हूं कि वह मैच फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, उसको चलने में कोई दिक्कत नहीं है। वह खेलने के लिए प्रतिबद्ध है। उसे प्रतिस्पर्धा बहुत पसंद है और उसे क्रिकेट खेलना पसंद है। हम शाम को उसके अभ्यास पर गौर करेंगे और उस पर चर्चा करेंगे। लेकिन उसके टेस्ट मैच में खेलने की पूरी संभावना है।

लैंगर ने इसके साथ ही कहा कि 22 वर्षीय पुकोव्स्की को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। भारत के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के दौरान उनके सिर में हल्की चोट लग गई थी। लैंगर ने कहा, उन्हें डॉक्टरों ने फिट घोषित कर दिया है और यह उसके, उसके परिवार और इसमें शामिल हर व्यक्ति के लिए बहुत अच्छी खबर है।

वॉर्नर ने लगभग पिछले एक साल से फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेले हैं, लेकिन लैंगर ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, वह दर्द के बावजूद खेलेगा और यह मांसपेशियों में नहीं बल्कि नसों में है। क्रिकेटर अलग-अलग तरह के दर्द के बावजूद खेलते रहे हैं और वह भी खेलना चाहता है और उम्मीद है कि इससे उसे ज्यादा परेशानी नहीं होगी।

शुभमन ने सिडनी पहुंचकर सोशल मीडिया पर जारी की तस्वीर

सिडनी, (एजेंसी)। भारतीय टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए सिडनी पहुंच गयी है। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने वहां पहुंचकर अपनी फोटो सोशल मीडिया पर जारी की। शुभमन जैसे ही सिडनी पहुंचे उन्हें होटल से बाहर जाकर रेस्टोरेंट में लंच या डिनर ना करने की सलाह मिलने लगी। ये सलाहें उन्हें प्रशंसकों ने दी हैं। शुभमन की सिडनी पहुंचने की तस्वीर उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर ने अपने ट्विटर पेज पर अपलोड की, जिसके बाद भारतीय प्रशंसकों ने उन्हें सिडनी में शतक को कहा, वहीं कुछ प्रशंसकों ने तो यहां तक कह दिया कि वो टीम होटल से बाहर ना जाएं और रेस्टोरेंट से दूर रहें।

इस दौरे में शुभमन, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, पृथ्वी शॉ और नवदीप सैनी मेलबर्न में एक रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद नियमों का उल्लंघन करने के आरोपों में विवादों में फंस गए थे। माना जा रहा है कि उसी कारण शुभमन को प्रशंसकों ने रेस्टोरेंट जाने से दूर रहने को कहा है। जब पांच भारतीय खिलाड़ी मेलबर्न के एक रेस्टोरेंट में खाना खाते दिखे थे। तब उनकी तस्वीर एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर अपलोड की जिसके बाद उन पर बायो बबल उल्लंघन का आरोप लगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले की जांच के आदेश भी दे दिये हालांकि बीसीसीआई के मुताबिक उनके किसी खिलाड़ी ने बायो बबल प्रोटोकॉल नहीं तोड़ा। शुभमन के पास सिडनी में बड़ी पारी खेलने का मौका है क्योंकि वहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। इसके अलावा यहां भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन हमेशा बेहतर रहा है।

टीम इंडिया के साथ डिनर कराने के नाम पर ठगी

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के साथ डिनर करने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। स्थानीय मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार सिडनी में एक ठग ने टीम इंडिया के साथ डिनर कराने का विज्ञापन छापकर प्रशंसकों से पैसे वसूल लिए। इस ठग ने सिडनी के एक बड़े रेस्टोरेंट का नाम लेकर कहा कि उसमें भारतीय टीम के खिलाड़ियों के साथ डिनर का अवसर है। उसके झांसे में आकर करीब 200 लोगों ने ये टिकट खरीद लिए। इसमें एक टिकट की कीमत तकरीबन 40 हजार रुपये है। इस रिपोर्ट के मुताबिक ठग ने सिडनी में खेले गए एकदिवसीय के दौरान यह विज्ञापन बांटकर 5 जनवरी को टीम इंडिया से मुलाकात कराने की बात कही थी। इस विज्ञापन में उसने सिडनी के रेस्टोरेंट के नाम का इस्तेमाल किया और पैसे लेकर फरार हो गया। अब रेस्टोरेंट को डर सता रहा है कि लोग उनके पास आकर बवाल कर सकते हैं। इसको देखते हुए उसने मामले की रिपोर्ट पुलिस में की है। टीम इंडिया मेलबर्न से सिडनी पहुंच गई है, जहां उसे तीसरा टेस्ट मैच खेलना है। यह मैच 7 जनवरी से शुरू होगा और दोनों ही टीमें 1-1 मैच जीतकर बराबरी पर हैं।

कोरोना महामारी के कठिन समय में शिकायत किये बिना आगे बढ़ना होगा : लियोन

मेलबोर्न, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन के अनुसार कोरोना महामारी के कठिन हालातों में हमें किसी भी तरह की शिकायतों में न पड़कर आगे बढ़ने के प्रयास करने होंगे। लियोन का यह बयान इसलिए आया है क्योंकि भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट के लिए कड़े प्रतिबंधों के साथ ब्रिस्बेन जाने के इंकार किया था और कहा था कि अगर वहां पहुंचने पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वह सिडनी में रहना पसंद करेगी और यही चौथा टेस्ट खेलना चाहेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ही सलामी बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने कहा है कि उनकी टीम ब्रिस्बेन में ही चौथा टेस्ट खेलना चाहेगी। लियोन ने कहा, मुझे पता है कि दोनों टीमों में कुछ खिलाड़ी हैं जो करीब छह महीने से जैव सुरक्षा वातावरण (बायो बबल) में रह रहे हैं इससे उकता गये हैं पर मेरी नजर में अपने पसंदीदा खेल के लिए यह एक छोटा सा त्याग है। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए जैव सुरक्षा मेरी नजर में ठीक है। हमें बस अपना काम करते रहना है। लोग गलतियां करते हैं, यह हमें पता है। लेकिन हमें बस इतना ध्यान रखना है कि हम वहां जाकर टेस्ट खेलने की हरसंभव कोशिश करें। उन्होंने कहा, हमें अपनी मेडिकल टीम की सलाह को मानना है और हम भाग्यशाली हैं कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इतनी बेहतरीन मेडिकल टीम मुहैया करायी है पर हमें बिना किसी शिकायत के आगे बढ़ना है।

लियोन ने कहा, मैं गाबा में नहीं खेलने के बारे में सोच भी नहीं रहा हूं। सभी गाबा टेस्ट के बारे में बात कर रहे हैं लेकिन आने वाले दिनों में सिडनी में एक बेहतरीन टेस्ट मैच होगा और हमें फिलहाल उस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बारे में कोई चिंता नहीं है कि मीडिया में किस तरह की खबरें चल रही हैं। एक खिलाड़ी के रुप में हमने कुछ नहीं सुना है तो हम सिडनी रवाना होंगे और उम्मीद करेंगे कि मनचाहा परिणाम मिलेगा। इसके बाद ब्रिस्बेन जाएंगे और वहां खेलेंगे। हम सभी को पता है कि हमें गाबा में खेलना कितना पसंद।

इंग्लैंड में लिवरपुल और साउथम्पटन के बीच खेले गए सूकर मैच में गोल करने का प्रयास करते साउथम्पटन के डेनी।